संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 35
पृष्ठ 8
गुरूवार
23 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिल्वर ज्वेलरी के साथ चाहिए क्लासी...

विचार- अब भी नहीं चेत रहे चीनी गतिविधियों...

खेल- सीरीज में वापसी करने उतरेगा भारत...

गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं : सीएम योगी

पैमाइश करा- विवादों का निस्तारण कराएं

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबकी समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। समस्या लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। दीपावली के दिन से गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 300 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

रक्षा मंत्री और सेनाध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज चोपड़ा भारतीय सेना में बने लेफ्टिनेंट कर्नल

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बुधवार को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। यह समारोह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में दिल्ली में आयोजित हुआ। यह सम्मान नीरज चोपड़ा की एथलेटिक्स में असाधारण उपलब्धियों और लाखों युवा भारतीयों को प्रेरित करने में उनके योगदान के लिए दिया गया है। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्हें देश का गौरव बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों में मानद रैंक प्राप्त हुई है। भारत के राजपत्र के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई। नीरज 26 अगस्त, 2016 को नायब सूबेदार के पद पर जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में भारतीय सेना में शामिल हुए। दो साल बाद, एथलेटिक्स में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और फिर 2021 में खेल के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें खेल रत्न से सम्मानित किया गया। नीरज को 2021 में सूबेदार के पद पर भी पदोन्नत किया गया। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद, 27 वर्षीय भारतीय एथलीट को 2022 में भारतीय सेना द्वारा परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें 2022 में सूबेदार मेजर के पद पर पदोन्नत किया गया, और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को उसी वर्ष भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया। नीरज हाल ही में विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में भाला फेंक में अपना विश्व खिताब बचाने में नाकाम रहे और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे, जिससे उनका 26 स्पर्धाओं में शीर्ष दो स्थानों पर रहने का सिलसिला टूट गया। उनके हमवतन सचिन यादव ने उन्हें पछाड़कर चौथा स्थान हासिल किया और 86.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पदक से चूक गए। आठवें स्थान पर रहने के बाद, नीरज ने अपने निराशाजनक प्रदर्शन पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पीठ में कुछ समस्या है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आखिरकार यह ष्जीवन और खेलष है। 2021 कोर्टेन खेलों के बाद से नीरज का 26 बार शीर्ष दो में स्थान बनाने का सिलसिला – वह आयोजन जो टोक्यो 2020 में उनके ऐतिहासिक स्वर्ण पदक से ठीक पहले हुआ था, इस प्रमुख आयोजन में निराशाजनक आठवें स्थान के साथ समाप्त हुआ।

डॉक्टरों पर प्रसव के दौरान महिला के पेट में पट्टी छोड़ने का आरोप, जांच के आदेश

देहरादून, एजेंसी। देहरादून के एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान डॉक्टरों की कथित लापरवाही से पेट में पट्टी छूटने से हुए संक्रमण से महिला की मौत के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों ने यहां बताया कि देहरादून के मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनोज शर्मा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की गयी है जो मामले की जांच कर जल्द अपनी रिपोर्ट देगी। जांच समिति का गठन महिला के पति प्रज्जवल पाल द्वारा दी गयी शिकायत पर किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 26 वर्षीय ज्योति पाल ने इस साल जनवरी में यहां के आई एंड मदर केयर सेंटर में सीजेरियन आपरेशन के जरिए एक पुत्र को जन्म दिया था। आरोप है कि डॉक्टरों ने उसके पेट में पट्टी छोड़ दी और ऊपर से टांके लगा दिए। कुछ दिनों बाद ज्योति के पेट में दर्द होने लगा जिसके बाद उसे उसी अस्पताल में ले जाया गया लेकिन चिकित्सक उसका कोई कारण नहीं बता सके। हाल में उसकी हालत ज्यादा बिगड़ने पर उसे एक अन्य अस्पताल ले जाया गया जहां उसके पेट में पट्टी होने तथा उसके कारण पेट में गंभीर संक्रमण फैलने का पता चला। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

केरल के मंदिरों में भ्रष्टाचार-गबन के आरोप

सबरीमाला मामले में केंद्र सरकार से दखल देने की मांग

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल भाजपा ने राज्य के मंदिरों में कथित भ्रष्टाचार और गबन के आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इस पत्र में केरल भाजपा ने केंद्र सरकार से दखल देने की अपील की है। केरल भाजपा ने ये आरोप ऐसे समय लगाए हैं, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों दक्षिण भारतीय राज्य केरल के दौरे पर हैं। केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सबरीमाला श्री धर्म संस्था मंदिर सहित केरल के मंदिरों में कथित भ्रष्टाचार, गबन और उल्लंघन के मामलों में हस्तक्षेप की मांग की। राजीव चंद्रशेखर ने कहा, श्राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार दिनों के लिए दौरे पर हैं। अपनी यात्रा के दौरान, वह सबरीमाला मंदिर में आशीर्वाद लेने जाएंगी।

पटाखे चले फिर भी प्रदूषण `कम'!

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि इस साल दिवाली की रात शहर में वायु प्रदूषण पिछले साल की तुलना में कम था। उनका यह बयान निगरानी केन्द्रों द्वारा यह बताये जाने के एक दिन बाद आया है कि दिवाली के दिन दिल्ली का वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) की सांद्रता 675 पर पहुंच गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब के एक मंत्री से मुलाकात करेंगी और राज्य सरकार को पराली जलाये जाने के संबंध में दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराएंगी। पराली जलाना सर्दियों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इस साल दिवाली से पहले और बाद में (औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बीच) अंतर पिछले साल की तुलना में कम है, भले ही इस बार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई थी।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए ''अधिक सतर्कता'' के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा था कि दिवाली से पहले दिल्ली में एक्यूआई 341 था और दिवाली के बाद यह केवल 11 बिंदु बढ़कर 356 हुआ है। सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में जहरीली धुंध के लिए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था और आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने दिवाली की रात किसानों को रिकॉर्ड मात्रा में धान की पराली जलाने के लिए ''मजबूर किया''। दिवाली की रात सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा से ज़्यादा पटाखे फोड़ने के कारण मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता और भी ज़्यादा श्बेहद खराबश श्रेणी में पहुँच गई। प्रदूषकों और भारी धातुओं से भरे ज़हरीले धुएँ के बढ़ने से शहर का औसत प्रति घंटा च्ड2.5 का स्तर आधी रात को 675 माइक्रोग्राम/घन मीटर तक पहुँच गया, जो 2021 में दिवाली की रात के बाद से सबसे ज़्यादा है, जब यह 728 माइक्रोग्राम था। हालांकि, सुबह 6 बजे के बाद हवा की गति में वृद्धि और सामान्य से अधिक तापमान, साथ ही पराली जलाने का नगण्य प्रभाव, दिन के दौरान प्रदूषण में और वृद्धि को रोक पाया। दिवाली के दिन दिल्ली का 24 घंटे का औसत ।फप् शाम 4 बजे बहुत खराब श्रेणी में 345 रहा – 2021 के बाद से दिवाली के दिन का उच्चतम रीडिंग, जब यह 382 तक पहुंच गया था। मंगलवार को, यह मामूली रूप से बढ़कर 351 हो गया – पिछले साल की दिवाली के बाद की रीडिंग 339 (1 नवंबर को) से अधिक लेकिन 2023 (358) में दर्ज स्तर से कम है।

राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर के पहिये हेलीपैड पर गड्ढे में फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिये बुधवार सुबह यहां प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड पर गड्ढे में फंस गए। राष्ट्रपति के सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना होने के बाद टीवी चौनलों पर दिखाए गए दृश्यों में कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान हेलीकॉप्टर के पहियों को छोटे-छोटे गड्ढों से धक्के देकर बाहर निकालते हुए दिखाई दिए। हेलीकॉप्टर के हेलीपैड पर उतरने के बाद ये गड्ढे बन गए। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए स्टेडियम को चुना गया था और इसलिए मंगलवार देर रात वहां हेलीपैड बनाया गया। पहले विमान को पंबा के समीप निलक्कल में उतारने की योजना बनायी गयी थी लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रमदम में उतारने का फैसला किया गया। अधिकारी ने बताया, ''कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए।''

मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण पर भारत ने कसी कमर, बेल्जियम कोर्ट में आर्थर रोड जेल की तस्वीरें पेश कीं

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई की उच्च सुरक्षा वाली आर्थर रोड जेल, जहाँ भगोड़े व्यवसायी मेहुल चोकसी को प्रत्यर्पित किए जाने पर रखा जाएगा, के विस्तृत वास्तुशिल्प चित्र और आंतरिक चित्र, मानवीय हिरासत स्थितियों का आश्वासन देने वाले भारत के हलफनामे के हिस्से के रूप में बेल्जियम की एक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं। ये चित्र, ष्जेल की स्थितियाँ बैरक 12, आर्थर रोड जेल, मुंबई शीर्षक वाले छह तकनीकी पत्रों के एक सेट का हिस्सा हैं, जिन्हें केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार किया गया था और भारतीय अधिकारियों द्वारा जेल सुविधाओं की पर्याप्तता और सुरक्षा को प्रदर्शित करने के लिए दायर किया गया था। चित्रों के अनुसार, बैरक संख्या 12, जिसे चोकसी के लिए इकाई के रूप में नामित किया गया है, लगभग 46.5 वर्ग मीटर (लगभग 500 वर्ग फुट) में फैला है, जिसमें एक मुख्य कमरा, मार्ग, धुलाई क्षेत्र और शौचालय शामिल हैं। यह सुविधा हवादार खिड़कियों, मच्छरदानी, सुरक्षा के लिए ग्रिल वाले दरवाज़ों, सीसीटीवी निगरानी, घ्ससीलिंग फैन और ट्यूबलाइट से सुसज्जित है। इसमें वॉश बेसिन और बहते पानी के साथ शॉवर, साथ ही बेहतर स्वच्छता के लिए पीवीसी फर्श और दीवार टाइलें भी हैं। बीम स्तर पर एक मोबाइल जैमर लगाया गया है, और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए वेंटिलेटर के पास एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। हलफनामे में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि इस इकाई का हाल ही में नवीनीकरण किया गया है और यह अंतर्राष्ट्रीय हिरासत मानकों का अनुपालन करती है। यह प्रस्तुतिकरण भारत सरकार द्वारा बेल्जियम की अदालत में दिए गए एक आधिकारिक हलफनामे का हिस्सा है, जहाँ मेहुल चोकसी ने अपने प्रत्यर्पण का विरोध करते हुए अपनी जान को कथित खतरे और भारत में जेल की स्थिति को लेकर चिंताओं का हवाला दिया है।

राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों की इन हाईटेक कैमरों से होगी निगरानी, किसी भी खतरे पर ऐसे देंगे अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे लगातार यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में लगातार नए क़दम उठा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अहम फैसला लिया है। रेलवे अब मुंबई-अहमदाबाद मेन लाइन से गुजरने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी समेत तमाम ट्रेनों की निगरानी हाईटेक कैमरों से करेंगी। रेलवे ने इस सिस्टम को वलसाड में लगाया है। रेलवे के यह अत्याधुनिक कैमरे इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) आधारित होंगे। ये कैमरे चार रोलिंग पॉइंट्स पर लगाए गए हैं। ये चलती ट्रेनों की हर बारीकी को रियल टाइम में मॉनिटरिंग करेंगे। ये कैमरे किसी भी खतरे या खामी को तुरंत डिटेक्ट कर लेंगे और अलर्ट भेज देंगे।

यह अत्याधुनिक कैमरों सभी मौसम में एक समान काम करेंगे। यानी दिनदृरात के अलावा बारिश के मौसम में भी कैमरे प्रभावित नहीं होंगे। रेलवे का सिस्टम न केवल कोच और इंजन की जांच प्रक्रिया को तेज बनाएगा, बल्कि दुर्घटनाओं में भी काफी हद तक कमी आएगी। इससे यात्रियों की जानदृमाल की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पश्चिम रेलवे अधिकारियों का कहना है कि, इस नई तकनीक से इंजीनियरों को अब ट्रेन की मैन्युअल जांच के लिए ट्रैक पर उतरना नहीं पड़ेगा। इससे समय की बचत तो होगी ही, दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। यात्रियों के लिए सबसे बड़ा लाभ यह है कि यात्रा अधिक सुरक्षित हो जाएगी। ब्रेक फेल्योर, बेयरिंग हीटिंग या पार्ट डिटैचमेंट जैसी खामियों को कैमरा तुरंत पकड़ लेगा।

जानकारी के अनुसार, यह अत्याधुनिक कैमरे हाई डेफिनेशन वीडियो कैप्चर, नाइट विज़न और ऑलदृवेदर प्रोटेक्शन जैसे फीचर्स से लैस हैं। जैसे ही कोई ट्रेन वलसाड स्टेशन से गुजरती है, ये कैमरे स्वचालित रूप से उसके पहियों, ब्रेक शू, कपलिंग, रिम्स और बॉगी फ्रेम जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों के क्लोज़दृअप फुटेज कैप्चर कर लेंगे।

एआई कंटेंट पर अब लगेगा 'लेबल', डीपफेक पर लगाम को लेकर आईटी नियमों में संशोधन का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई-जनरेटेड फर्जी कंटेंट से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आईटी नियमों में बदलाव का प्रस्ताव पेश किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (डमपजल) द्वारा तैयार किए गए इस मसौदे में कहा गया है कि अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एआई या सिंथेटिक कंटेंट को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा ताकि यूजर असली और नकली सामग्री में फर्क कर सकें।

क्या हैं नए नियमों के प्रमुख प्रावधान?

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि कोई कंटेंट एआई या कंप्यूटर-जनित है, तो उस पर लेबल या मार्कर लगाया जाए। यह लेबल विजुअल कंटेंट में कम से कम 10 फीसदी हिस्से पर दिखाई देना चाहिए, जबकि ऑडियो में शुरुआती 10 फीसदी अवधि तक सुनाई देना जरूरी होगा। साथ ही, प्लेटफॉर्म्स को यह भी जांच करनी होगी कि यूजर द्वारा अपलोड किया गया कंटेंट असली है या सिंथेटिक। इसके लिए तकनीकी उपाय अपनाने और यूजर से 'डिक्लेरेशन' लेना अनिवार्य होगा।

डीपफेक से बढ़ रहा खतरा

मंत्रालय ने कहा कि हाल के महीनों में डीपफेक ऑडियो और वीडियो तेजी से वायरल हुए हैं, जिनसे गलत जानकारी फैलाने, राजनीतिक छवि बिगाड़ने, धोखाधड़ी करने और लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के मामले सामने आए हैं। वैश्विक स्तर पर भी डीपफेक तकनीक को लेकर चिंता बढ़ी है, क्योंकि यह तकनीक असली लगने वाले झूठे वीडियो और फोटो बनाकर समाज में भ्रम फैलाने में सक्षम है।

आईटी मंत्रालय ने इस ड्राफ्ट पर जनता और विशेषज्ञों से 6 नवंबर 2025 तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। सरकार का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य यूजर्स को जागरूक बनाना, फेक कंटेंट पर अंकुश लगाना और साथ ही एआई इनोवेशन के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करना है।

रोडवेज चालक की हत्या के मामले में चौकी इंचार्ज निलंबित, लापरवाही बरतने पर डीसीपी ने की कार्रवाई

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा में रोडवेज के संविदा चालक रावेंद्र की हत्या के मामले में डीसीपी ने टीपी नगर पुलिस चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया है। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने लापरवाही बरतने के आरोप में कार्रवाई की है।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा में रोडवेज के संविदा चालक रावेंद्र की हत्या के मामले में डीसीपी ने टीपी नगर पुलिस चौकी

इंचार्ज को निलंबित कर दिया है। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने लापरवाही बरतने के आरोप में कार्रवाई की है।

बता दें कि धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा बाजार में मंगलवार को रोडवेज बस के संविदा चालक रावेंद्र की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा था। आक्रोशित परिजनों ने रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों के साथ मृतक के शव को मुंडेरा चुंगी के पास कानपुर हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया था। इससे कानपुर हाईवे पर घंटे यातायात बाधित रहा। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में डीसीपी नगर ने चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया है।

छह महीने में नौ भर्ती परीक्षाएं आयोजित करेगा एसएससी, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर समेत कई बड़ी भर्तियां

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) छह माह में नौ भर्ती परीक्षाएं आयोजित करेगा। इनके माध्यम से 12 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें कांस्टेबल और स्टेनोग्राफर समेत कई बड़ी भर्तियां शामिल हैं।

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) छह माह में नौ भर्ती परीक्षाएं आयोजित करेगा। इनके माध्यम से 12 हजार से अधिक

पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें कांस्टेबल और स्टेनोग्राफर समेत कई बड़ी भर्तियां शामिल हैं। आयोग की ओर से दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल और अन्य पदों के लिए आवेदन भी मांगे गए हैं। इनके माध्यम से ही 10 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। यह भर्ती परीक्षाएं नवंबर और दिसंबर में संभावित हैं। इनके अलावा स्टेनोग्राफर, लोअर डिवीजन क्लर्क और अपर डिवीजन क्लर्क आदि पदों पर भर्ती होगी।

गणित, अंग्रेजी, सामान्य बुद्धि की कसौटी पर परखे जाएंगे अभ्यर्थी

आयोग ने भर्ती परीक्षाओं का प्रारूप भी जारी कर दिया है। ज्यादातर भर्तियों के अंतिम परिणाम दो चरणों की परीक्षा के आधार पर घोषित किए जाएंगे। परीक्षाओं में कंप्यूटर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। इन परीक्षाओं में सामान्य गणित, सामान्य अध्ययन, अंग्रेजी, बुद्धि परीक्षण पर प्रश्न होंगे। कंप्यूटर ज्ञान पर भी प्रश्नपत्र होगा।

मुंडेरा में रोडवेज कर्मचारी की सिर कूंचकर हत्या, शव सड़क पर रखकर चक्काजाम

प्रयागराज। प्रयागराज के मुंडेरा इलाके में रोडवेज के कर्मचारियों की सिर कूच कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। लोगों ने शव रखकर मुंडेरा चुंगी के पास सड़क जाम कर दिया है। बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा बाजार में रोडवेज बस के चालक की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। इससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। आक्रोशित परिजनों ने रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों के साथ मृतक के शव को मुंडेरा चुंगी के पास कानपुर हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया। जाम खुलवाने में पुलिस प्रशासन के पसीने छूट गए। कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएसी मौके पर पहुंच गई। आक्रोशित लोगों ने कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। इससे स्थिति बेकाबू हो गई।

नीमसराय निवासी रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू (40) रोडवेज में संविदा पर चालक था। सोमवार दोपहर करीब एक बजे किसी काम से मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप के पास गया था। यहां पर कुछ लोगों से उनका किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। बताया जाता है कि रावेंद्र ने भागने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उसे घेर लिया। मारपीट करते हुए सड़क पर गिरा दिया। फिर उसके सिर पर ईंट और पत्थर से हमला कर दिया। इससे वह लहूलुहान होकर बेसुध हो गया।

लोगों ने शोर मचाया तो हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना पर परिवार वाले भी मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में रावेंद्र को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रावेंद्र की मौत की खबर मिलते ही घरवाले और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। यहां से शव लेकर नीमसराय स्थित घटनास्थल पर पहुंचे। जहां शव रखकर हाईवे पर जाम लगा दिया।

घरवालों का कहना है कि रावेंद्र की हत्या साजिश के तहत की गई है। पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। रावेंद्र का हमलावरों से पुराना विवाद नहीं था, इसलिए घटना की असली वजह पुलिस की जांच से ही सामने आएगी। घटना की सूचना पर पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। धूमनगंज थाना पुलिस और अन्य थानों की फोर्स तैनात की गई है। कई घंटे की मशक्कत के बाद अधिकारियों ने लोगों को शांत करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सिलिका सैंड के अवशेष से बनेंगे रंग-बिरंगे शीशे...

अवशेषों में पाए गए हैं क्रोमियम, आर्सेनिक जैसे जहरीले तत्व

प्रयागराज। अब पठारी इलाके में पाए जाने वाले सिलिका सैंड के अवशेष से रंग–बिरंगे शीशे बनेंगे। शंकरगढ़ को जहरीले रासायनिक तत्वों संग भूजल दोहन की समस्या से भी राहत मिलेगी। इविवि के वैज्ञानिकों के शोध में सफलता मिली है।

पठारी इलाके में पाए जाने वाले सिलिका सैंड की धुलाई के बाद जमा अवशेष भी कमाई का मजबूत आधार बनेंगे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अवशेष से रंगीन शीशा बनाने में सफलता पाई है। इसकी कीमत बाजार में अधिक है।

खास यह कि नई तकनीकी से जहरीले रासायनिक तत्वों के अलावा भूजल दोहन की समस्या से भी राहत मिलेगी।

विवि के अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंस विभाग के प्रो.जयंत कुमार पति के नेतृत्व में शोधार्थियों की टीम ने यमुनापार के शंकरगढ़ में शीशा बनाने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले सिलिका सैंड के अवशेषों के 70 नमूने लिए। अलग–अलग स्थानों से लिए गए इन नमूनों को सात भाग में बांटकर शोध किया गया।

इसके तहत 75, 15 और 10 के अनुपात में सिलिका सैंड के अवशेष, सोडियम कार्बोनेट व कैल्शियम कार्बोनेट मिलाकर 1300 डिग्री सेंटीग्रेड पर पिघलाए गए। इस विधि से उच्च गुणवत्ता वाला शीशा बनाने में सफलता मिली।

खास यह कि इस विधि से प्राकृतिक तौर पर रंगीन शीशे बनाने में सफलता मिली जो सामान्य की तुलना में अधिक

कीमत पर बिकते हैं। अलग–अलग स्थानों से लिए गए अवशेषों से गाढ़े नीले, हल्के नीले, गाढ़े हरे, हल्का हरे रंग के शीशे बनाने में सफलता मिली है।

अवशेषों में पाए गए हैं क्रोमियम, आर्सेनिक जैसे जहरीले तत्व

प्रयागराज। प्रो. जयंत कुमार पति के नेतृत्व में शंकरगढ़ के शिवराजपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में सिलिका सैंड पर किए गए एक अन्य शोध के रिजल्ट भविष्य के लिए बड़े ही खतरनाक संकेत दे रहे हैं। शीशा बनाने की प्रक्रिया में सिलिका सैंड के बचे अवशेष में बड़ी मात्रा में आर्सेनिक, क्रोमियम, कोबाल्ट जैसे खतरनाक तत्व पाए गए हैं।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का यह शोध स्विट्जरलैंड के प्रिंजर नेचर में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है। प्रयागराज के पठारी क्षेत्र में पाए जाने वाले सिलिका सैंड की गुणवत्ता काफी अच्छी है। ऐसे में ग्लास एवं सिरोमिक उद्योग में इनकी अधिक मांग है।

क्षेत्र में सात दशक से भी अधिक समय से सिलिका सैंड से शीशा बनाने का काम चल रहा है। शीशा बनाने की प्रक्रिया में पत्थरों के खनन के बाद इनके महीन कण बनाए जाते हैं। इसके बाद पानी से धुलाई करके शीशा बनाने लायक अवयव तैयार किए जाते हैं। इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में सिलिका सैंड का अवशेष बह जाता है।

दशकों से यह उद्योग चलने के कारण शंकरगढ़ के बड़े इलाके में सिलिका सैंड के अवशेष जमा हो गए हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के शोध में सामने आया है कि इन अवशेषों में आर्सेनिक क्रोमियम, कोबाल्ट, निकिल, जिंक जैसे तत्व हैं।

खतरनाक बात यह भी है कि इनकी मात्रा मानक से कहीं अधिक तो पाई ही गई है। इनमें से 90 प्रतिशत की साइज एक से 10 माइक्रो मीटर के बीच है। अवशेष के सूखने के बाद ये कण धूल का रूप लेकर हवा में भी घुल जाते हैं और श्वास लेते समय फेफड़े में भी चले जाते हैं।

पर्यावरण के साथ भूजल को भी खतरा

वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रासायनिक तत्वों के कारण पर्यावरण के साथ खेती एवं भूजल को भी खतरा बन गया है। उनका कहना है कि माइक्रो आकार के ये कण भूजल को भी प्रदूषित कर रहे हैं। पानी में भी इनकी मात्रा पाई गई है। हालांकि, अभी इस पर विस्तृत शोध की जरूरत है।

सिलिका सैंड की धुलाई बना जल संकट का कारण

सिलिका सैंड से शीशा बनाने की प्रक्रिया में अत्यधिक जल का उपयोग किया जाता है। पत्थर के खनन के बाद क्रशर मशीन में इसके महीन कण बनाए जाते हैं। फिर पानी के तेज बहाव में इनकी धुलाई की जाती है। इसके लिए भूजल का उपयोग किया जा रहा है। इससे पूरे क्षेत्र में गंभीर जल संकट खड़ा हो गया है।

अत्यधिक दोहन की वजह से पत्थरों के बीच–बीच में रुका बारिश का पानी समय से काफी पहले ही खत्म हो जाता है। मार्च से ही शंकरगढ़ और आसपास के इलाके में जल संकट बन जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सिलिका सैंड से शीशा बनाने की नई तकनीकी में पानी का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। ऐसे में विश्वविद्यालय के इस शोध से सिलिका सैंड में पाए जाने वाले जहरीले पदार्थों के साथ जल संकट से भी काफी राहत की उम्मीद है।

शंकरगढ़ में सिलिका सैंड से शीशा बनाने का काम दशकों से चला आ रहा है। इसे लेकर दो अलग–अलग शोध किए गए। इसके तहत सिलिका सैंड की धुलाई के बाद के अवशेष में कई जहरीले तत्व पाए गए। ये तत्व पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के लिहाज से काफी खतरनाक हैं।

वहीं, दूसरे शोध में सिलिका सैंड में सोडियम एवं कैल्शियम कार्बोनेट मिलाकर शीशा बनाने में सफलता मिली है। इस माध्यम से सीधे रंगीन शीशे बनाए जा सकते हैं, अलग से कोई रंग या अवयव मिलाने की जरूरत नहीं है। इससे क्षेत्र के लोगों की आमदनी बढ़ने के साथ पर्यावरण एवं भूजल को बचाने में भी काफी मदद मिलेगी। इसे पेटेंट भी कराया जाएगा जिसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं।

–प्रो.जयंत कुमार पति, अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंस विभाग, इविवि

जैगुआर कार से तांडव मचाने वाला चालक गिरफ्तार, लखनऊ में मेदांता से डिस्चार्ज होते ही पुलिस ने पकड़ा

प्रयागराज। दीपावली के एक दिन पहले रविवार को राजरूपपुर बाजार में बेकाबू जगुआर कार से 500 मीटर तक तांडव मचाने वाला जगुआर चालक गिरफ्तार कर लिया गया है। हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई थी, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

दीपावली के एक दिन पहले रविवार को राजरूपपुर बाजार में बेकाबू जगुआर कार से 500 मीटर तक तांडव मचाने वाला जगुआर चालक गिरफ्तार कर लिया गया है। हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई थी, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना में गंभीर रूप से घायल आरोपी चालक रचित मध्यान्ह निवासी लूकरगंज को उपचार के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से छुट्टी मिलते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कामधेनु स्वीट्स प्रयागराज के मालिक का भतीजा बताया जा रहा है।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर में रविवार शाम उस

वक्त अफरातफरी मच गई थी जब नशे में धुत एक कार चालक ने तेज रफ्तार से कार चलाते हुए करीब आधा दर्जन लोगों को रौंद डाला। इस दर्दनाक हादसे में 60 वर्षीय प्रदीप पटेल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक नशे में था और करीब आधा किलोमीटर तक लोगों को टक्कर मारते हुए भागता रहा।

स्थानीय लोगों ने किसी तरह कार को घेरकर रोक लिया। गुस्साई भीड़ ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। बताया गया कि जिस जैगुआर कार से हादसा हुआ वह कामधेनु के मालिक के नाम पर रजिस्टर्ड है। हादसे के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल रहा। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया था। नगर डीसीपी मनीष शांडिल्य के मान मनौव्वल के बाद परिजन शव को पोस्टमार्टम भेजने को तैयार हुए।

दीपोत्सव पर खाने-पीने से ज्यादा लग्जरी सामानों में हुआ खर्च

प्रयागराज। इस बार दीपोत्सव पर प्रयागराज का बाजार रोशनी के साथ रिकॉर्ड बिक्री से भी चमक उठा। पांच दिवसीय दीप पर्व पर शहर में करीब 2,300 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, इस बार उपभोक्ताओं ने खाने–पीने की तुलना में लग्जरी और उपहार सामग्रियों पर ज्यादा खर्च किया। कैट के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल ने बताया कि पिछले कई सालों के मुकाबले इस बार बाजार में उत्साह कहीं ज्यादा देखने को मिला। दीपावली के अवसर पर प्रयागराज के बाजारों में हर वर्ग के उपभोक्ता पहुंचे, लेकिन उनकी प्राथमिकता पारंपरिक खाद्य और किराना से हटकर लग्जरी वस्तुओं की रही।

अध्ययन के मुताबिक 13 प्रतिशत खर्च खाद्य सामग्री और

किराना पर हुआ जबकि 25 प्रतिशत तक का खर्च ऑटोमोबाइल, उपहार व विविध वस्तुओं पर दर्ज किया गया। मिठाई और नमकीन पर चार प्रतिशत, कपड़ा व परिधान पर 12 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक सामान पर आठ प्रतिशत, इलेक्ट्रिकल वस्तुओं पर चार प्रतिशत, कॉस्मेटिक व ब्यूटी पार्लर व मेकअप सामग्री पर छह प्रतिशत, और बर्तन व पूजा सामग्री पर तीन–तीन प्रतिशत खर्च हुआ। इसके अलावा होम डेकोर व बिल्डिंग हार्डवेयर पर भी तीन प्रतिशत और फर्नीचर–फर्निशिंग पर चार प्रतिशत तक की हिस्सेदारी रही। गोयल ने बताया कि शहर के बाजारों में इस बार बड़ी संख्या में लक्जरी उपहार, सजावटी आइटम, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, वाहन और कॉस्मेटिक उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उपभोक्ताओं ने इस बार केवल घर सजाने पर ही नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल को निखारने वाले उत्पादों पर भी खुलकर खर्च किया। कैट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रयागराज में धनतेरस के एक दिन पहले से लेकर दीपावली तक खरीदारी का रफ्तार बना रहा। शहर के चौक, कटरा, सिविल लाइंस, कीडगंज, रसूलाबाद और तेलियरगंज के बाजारों में खरीदारों की भीड़ देर रात तक उमड़ी रही।

बाबुओं को हटाने का फरमान, अफसर पर मेहरबान

प्रयागराज। उच्च शिक्षा निदेशालय में बाबुओं और अफसरों की तैनाती में जमकर मनमानी हो रही है। शासन के सचिव उच्च शिक्षा अमृत त्रिपाठी ने 26 और 27 सितंबर को उच्च शिक्षा निदेशालय का निरीक्षण किया था। 14 अक्तूबर को जारी कार्यवृत्त में 20 ऐसे बाबुओं का पटल परिवर्तित करने का आदेश दिया गया है जो तीन साल या अधिक समय से एक स्थान पर कार्यरत हैं। इसके ठीक उलट डॉ. बीएल शर्मा सहायक निदेशक के पद पर सात साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं। सचिव ने उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमित भारद्वाज से स्पष्टीकरण मांगा है कि शासनादेश के विपरीत तीन वर्षों से अधिक समय से एक पटल पर किसके आदेश से तैनाती दी गई है। इस संबंध में उत्तरदायित्व निर्धारित कर शासन को आख्या उपलब्ध कराने को भी कहा गया है। राजकीय महाविद्यालय औडन्य पडरिया मैनपुरी के प्रवक्ता वाणिज्य डॉ. बृन्दावन लाल शर्मा का तबादला उच्च शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर 25 मई 2018 को हुआ था। पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की ओर से 11 जून 2024 को जारी वार्षिक स्थानान्तरण नीति में समूह क और ख के उन अधिकारियों को मुख्यालय से बाहर समकक्ष पदों पर स्थानान्तरित करने के आदेश दिए गए थे जो तीन साल की सेवा पूरी कर चुके हों। वहीं जिन बाबुओं को हटाने का आदेश हुआ है उनमें प्रदीप कुमार सिंह (सात साल से अधिक), रीना सोनकर व शशिकांत शुक्ला (छह साल से अधिक), रमेश कुमार कुशवाहा, शशांक श्रीवास्तव, अजीत कुमार सिंह, राधेश्याम पटेल व सुनील कुमार सोनकर (पांच साल से अधिक), अमन यादव व अभिषेक कुमार (चार साल से अधिक) का नाम शामिल है। बायोमीट्रिक हाजिरी और ऑनलाइन छुट्टी के आदेश सचिव ने उच्च शिक्षा निदेशालय में बायोमीट्रिक हाजिरी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का अवकाश मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन करने को कहा गया है। अनुभागों तक आसानी से पहुंचने के लिए साइन बोर्ड लगाने और संबंधित कर्मचारियों के नाम लिखने के आदेश दिए हैं। आशुलिपिकों के भी स्थानान्तरण के आदेश कार्यवृत्त के अनुसार आशुलिपिक वर्ग में कौन कितने वर्ष से किस सीट पर तैनात है इसका विवरण नहीं दिया गया है। यदि आशुलिपिक वर्ग को पटल परिवर्तन से शासनादेश ने कोई छूट नहीं दी हो तो इनका भी पटल परिवर्तन किया जाए। संबंद्धीकरण को पूरी तरह खत्म किया जाए और इस संबंध में उच्च शिक्षा निदेशक से स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

अब माघ मेले की तैयारी, इसी महीने से पांटून पुलों का निर्माण, जमीन समतलीकरण शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज में माघ मेला 2026 के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल के निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग ने तीन पांटून पुलों के टेंडर जारी कर दिए हैं। काली मार्ग, त्रिवेणी मार्ग और महावीर मार्ग के पांटून पुलों का निर्माण इसी महीने शुरू हो जाएगा। जिसे 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मेले की तैयारी के लिए अब तक निकली 25 फीसदी जमीन पर प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने लेवलिंग शुरू कर दी है। माघ मेला इस बार तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व से शुरू हो जाएगा। हर बार काम 15 अक्तूबर से शुरू हो जाता है। इस बार बाढ़ और जलभराव के कारण काम अब तक शुरू नहीं हो सका था। पिछले दिनों मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने अफसरों के साथ बैठक कर निर्देश दिया था कि टेंडर प्रक्रिया तत्काल पूरी करें, जिससे कागजी कार्रवाई में समय न लगे, जिसके बाद प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने समतलीकरण का टेंडर जारी कराया और काम शुरू करा दिया गया है। सबसे पहले हनुमान मंदिर से लेकर अक्षयवट मार्ग और संगम नोज की ओर और रामघाट की ओर समतलीकरण का काम शुरू करा दिया गया है। जिससे आगामी छठ पूजा तक स्थिति सामान्य हो और पहला पर्व बिना किसी परेशानी के पूरा हो। वहीं इसके साथ तीन पांटून पुलों का टेंडर जारी कर दिया गया है। सबसे पहले महावीर मार्ग पुल का काम शुरू कराया जाएगा।

बिना आंगनबाड़ी बनाए खाते से निकाल ली राशि, खाता होगा फ्रीज

प्रयागराज। पंचायतों में काली कमाई के लिए अजब–गजब खेल चल रहा है। बताया गया कि जिले की दो पंचायतों भंडरा उमरपुर के प्रधान मो. इमरान और सारंगापुर के प्रधान सुधीर यादव ने बिना आंगनबाड़ी केंद्र बनाए ही पंचायत के खाते से लाखों रुपये की राशि निकाल ली। जब शिकायत पर अफसर जांच के लिए पहुंचे तो सच्चाई सामने आई। अब प्रधानों का खता फ्रीज करने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है। जिले की भंडरा उमरपुर में तीन और सारंगापुर ग्राम पंचायत में एक आंगनबाड़ी केंद्र बनाने की स्वीकृति हुई थी। इसके लिए शासन ने बजट भी दिया, प्रस्ताव पर पंचायती राज विभाग की ओर से ग्राम सभा के खाते में भेज भी दी गई।

यहां पर एक भी आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया ही नहीं गया। इसकी शिकायत की गई तो डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी खुद मौके पर पहुंचे। शनिवार को दोनों ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर आंगनबाड़ी केंद्र के बारे में पूछा तो मालूम चला कि केंद्र तो कागजों में हैं। प्रधानों की करतूत की कागाजी कार्रवाई कर अफसरों को अग्रसारित की जा रही है।

ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता कल से भगेसर, कोरांव में

प्रयागराज। स्थानीय तहसील क्षेत्र कोरांव के अंतर्गत गाँव सभा भगेसर के मां बसंती देवी गंगा प्रसाद शिक्षा सेवा समिति विद्यालय के क्रीड़ा स्थल पर धरती पुत्र फाउंडेशन की ओर से तीन दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि आगामी 24 से 26 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता एसोसिएशन (डीवीए) से संबद्ध एवं मान्यता प्राप्त है। प्रतियोगिता का उद्घाटन कल 24 अक्टूबर को प्रातः 10रू30 बजे मा. राजमणि कोल,विधायक कोरांव के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगी। प्रवेश की इच्छुक टीमें एसोसिएशन के ब्लॉक प्रभारी कोरांव रितेश तिवारी अथवा आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश पांडेय एवं आयोजन सचिव चंद्रिका प्रसाद से मो. 7985741790 पर संपर्क करके अपने टीम की भागीदारी सुनिश्चित करा सकती है।

दीवाली की आतिशबाजी के बाद घातक हुआ वायु प्रदूषण, विशेषज्ञों की सलाह- मास्क पहनकर बाहर निकलें

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ व आसपास के इलाकों में दीवाली के बाद हवा में प्रदूषण का काफी ज्यादा बढ़ गया है। सोमवार व मंगलवार की रात आतिशबाजी के बाद शहर की वायु गुणवत्ता श्बेहद खराबश श्रेणी में पहुंच गई। बुधवार को लखनऊ का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 184 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में आता है। इसी तरह अगर पूरे प्रदेश की बात करें तो प्रदेश भर का वायु गुणवत्ता

सूचकांक 204 पहुंच गया है। जो कि बेहद घातक की श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस स्तर का प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सांस संबंधी दिक्कतों, आंखों में जलन, सिरदर्द और हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकता है। उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। वहीं, ये भी कहा है कि बाहर निकलने पर मास्क पहनने की सलाह भी दी है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने बताया कि प्रदूषण का मुख्य कारण पटाखों का धुआं, वाहनों का उत्सर्जन और मौसम में ठंड के कारण धुंध का जमाव है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्याः 09093/09094 उधना - जयनगर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 09093 उधना - जयनगर			गाड़ी सं. 09094 जयनगर - उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	12:00	उधना	13:30	----
06:10	06:12	मानिकपुर	17:50	17:52
07:40	07:50	प्रयागराज छिवकी	14:55	15:05
20:30	----	जयनगर	----	23:30

उधना से: गाड़ी सं.09093, दिनांक- 22.10.2025 से 25.10.2025 तक,
जयनगर से: गाड़ी सं. 09094, दिनांक- 23.10.2025 से 26.10.2025 तक

गाड़ी संख्याः 09001/09002 उधना - समस्तीपुर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 09001 उधना - समस्तीपुर			गाड़ी सं. 09002 समस्तीपुर - उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	09:00	उधना	15:35	----
09:00	09:05	मानिकपुर	15:20	15:22
10:45	10:50	प्रयागराज छिवकी	13:15	13:20
22:35	----	समस्तीपुर	----	02:15

उधना से: गाड़ी सं.09001, दिनांक- 22.10.2025 से 25.10.2025 तक,
समस्तीपुर से: गाड़ी सं. 09002, दिनांक- 24.10.2025 से 27.10.2025 तक,

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं० 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1960/25(DG)

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं., कहाँ से कहाँ तक	संचालन की तिथि	गाड़ी संरचना
07091 चर्लपल्ली - दानापुर	23.10.2025 एवं 28.10.2025	वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-09, सामान्य श्रेणी-04
07092 दानापुर - चर्लपल्ली	24.10.2025 एवं 29.10.2025	
07049 चर्लपल्ली - दानापुर	26.10.2025	वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-04
07050 दानापुर - चर्लपल्ली	27.10.2025	

गाड़ी संख्या 07091/07092 एवं 07049/07050 चर्लपल्ली - दानापुर त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी के समय एवं ठहरावः-

चर्लपल्ली-दानापुर			दानापुर-चर्लपल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	09:30	चर्लपल्ली	07:30	---
12:00	12:05	प्रयागराज छिवकी	03:55	04:00
19:45	---	दानापुर	---	21:15

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1956/25(D)

धूमधाम से मनाया गया अन्नकूट पर्व

भक्ति भाव से श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भोजन प्रसाद

मुजफ्फरनगर। नगर में अन्नकूट पर्व गली मोहल्लों से लेकर सभी मंदिरों में धूमधाम और भक्ति भाव से आयोजित किया गया। दीपावली के पंच पर्वो में अन्नकुट का विशेष महत्व है। मेरठ रोड पर सदर तहसील प्रांगण में स्थित प्राचीन मंदिर में पूरे श्रद्धाभाव से भगवान को भोग लगाकर श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया गया। हजारों लोगों ने प्रभु का गुणगान करते हुए यहां भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

पंडित द्वारिका प्रसाद पाराशर, सिद्ध पीठ वाले गुरु जी पंडित संजय कुमार आदि ने धार्मिक क्रियाएं पूजन व महा आरती संपन्न कराई। यहां पर योगेंद्र कंबोज एडवोकेट, डॉक्टर अनुराधा वर्मा, ललित शर्मा एडवोकेट, हेमंत अरोरा सचिव, रवि जैन कोषाध्यक्ष, सुशील त्यागी, विनोद कुमार, मेहरचंद, बृजमोहन वर्मा, राकेश मित्तलसंजीव काम्बोज (पिन्टू) आदि का सहयोग व योगदान रहा। देर शाम तक अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण करने वालों की लाइन लगी रही।

चरथावल मोड़ स्थित सिद्ध पीठ शनिधाम में भी वृहद स्तर पर अन्नकूट के प्रसाद का आयोजन किया गया। पंडित केशवानंद, सिद्धपीठ वाले गुरु जी पंडित संजय मिश्रा, संतोष मिश्रा आदि ने पूजन पाठ महा आरती कर भोग प्रसाद लगाया। प्रबंध समिति की ओर से वरिष्ठ उपाध्यक्ष शरद कपूर, ललित मोहन शर्मा, नरेंद्र कुमार साधु, शैलेंद्र विश्वकर्मा, अमित काला, सतीश आदि का मुख्य योगदान रहा। शामली रोड स्थित सत्संग भवन में भी हर वर्ष की भांति अन्नकूट के पर्व का आयोजन किया गया। पंडित भवानी शंकर शर्मा ने पूजन पाठ कराकर आरती की तथा भगवान का भोग लगाकर सर्वप्रथम साधु संतों को भोजन कराया। इसके बाद श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। यहां पर अध्यक्ष त्रिलोक चंद गुप्ता, महेंद्र गोयल पेट्रोल पंप वाले, ताराचंद वर्मा, विजय सिंधी, प्रवीण अरोड़ा, सुभाष चंद्र अग्रवाल शिक्षा विभाग वाले, डॉक्टर प्रेम कुमार आदि ने अपनी सेवाएं दी और व्यवस्था बनाए रखने में योगदान दिया।

चंद्रशेखर बोले-लखनऊ में बुजुर्ग से पेशाब चटवाना मानवता पर कलंक

संजय सिंह ने कहा, जानवरों जैसा सलूक, पूर्व बीजेपी सांसद पीड़ित से मिले

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में दलित बुजुर्ग से मंदिर में पेशाब चटवाने के मामले में सियासत गरमा गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा– यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि दलित विरोधी मानसिकता का नंगा प्रदर्शन है। यह मानवता के लिए कलंक ही नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रहार है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा इंसान के साथ जानवर जैसा सलूक किया गया। मोहनलालगंज से बीजेपी के पूर्व सांसद कौशल किशोर और विधायक अमरेश रावत ने बुधवार सुबह बुजुर्ग से मुलाकात की। कौशल किशोर ने रामपाल को अपना साथी बताते हुए घटना को दुर्भाग्यपूर्ण कहा। मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी ने भी बुधवार दोपहर पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी बुजुर्ग को न्याय दिलाने के लिए हर लड़ाई लड़ेगी। काकोरी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात बीमार रामपाल (65) शीतला माता मंदिर के सामने से गुजर रहे थे, तभी अचानक उन्हें दिक्कत महसूस

हुई। तबीयत खराब होते ही रामपाल मंदिर की सीढ़ियों पर बैठ गए। तभी उनकी पेशाब छूट गई। यह देखते ही मंदिर के सामने की दुकान से एक दबंग बुजुर्ग के पास आया। उसने बुजुर्ग से कहा कि मंदिर में पेशाब कर दी। अब इसे शुद्ध करना होगा। पहले बुजुर्ग से पेशाब चटवाई। फिर पानी से पूरा मंदिर धुलवाया। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मंगलवार रात इस मामले को लेकर एक्स पर पोस्ट किया। पीड़ित बुजुर्ग का वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा– जाति पूछी–धर्म नहीं। ठश्रच राज में दलित होना अपराध है। पासी समाज से आने वाले इस बुजुर्ग से मंदिर में पेशाब चटवाई गई। इंसान के साथ जानवर जैसा व्यवहार। ये नया भारत है। पूर्व सांसद कौशल किशोर ने कहा कि रामपाल हमारे पुराने साथी हैं। कोई भी काम पड़ता था, तो साथ रहते थे। उनके साथ हुई ये घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। यह अपमानजनक बात है, लेकिन रामपाल ने काफी सूझबूझ से काम किया। रात को घटना न बताकर सुबह के समय बताया, वरना बड़ा विवाद हो सकता था। इसके बाद परिजन पुलिस के पास गए और मुकदमा दर्ज कराया। यह घटना काफी अमानवीय है। रामपाल की तबीयत खराब रहती है। उन्होंने पेशाब की नहीं थी। अपने आप हो गई थी। रात को जब इस घटना की जानकारी हुई, तो मैंने विधायक अमरेश रावत से भी बातचीत की। घटना की जानकारी लेने के लिए मैंने थाने पर फोन किया, पता चला कि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जा चुकी है। रामपाल का भी कहना है कि जो घटना सत्य है वही बता रहे हैं। यह 50 साल पुराना मंदिर है, यहां पर हम लोग अक्सर आते थे। गांव की शादी–बारात यहीं पर होती थी। मंदिर पर किसी एक का अधिकार नहीं है। किसी ने ऐसा किया है तो गलत है। इसके लिए कुछ दिन बाद एक बैठक की जाएगी। हमारी सरकार भी ऐसे मामलों में काफी सख्त है। यह निश्चित किया जाएगा कि दोबारा ऐसी कोई घटना न होने पाए। तत्काल एक्शन होने का मतलब मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मुकदमा दर्ज कर आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम योगी ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

वीर सपूतों के परिजनों को किया सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथा ने राज्य पुलिस के तीन शहीद कर्मियों के परिजनो को सम्मानित किया है। आंकड़ों के अनुसार पिछले आठ वर्ष में अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये, जबकि 1 सितंबर 24 से 31अगस्त 25 के बीच तीन पुलिसकर्मी शहीद हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। प्रदेश पुलिस के तीन वीर सपूतों निरीक्षक,दलनायक सुनील कुमार (एसटीएफ), मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जनपद जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर) ने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध कर दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस का हर जवान देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान देने से पीछे नहीं हटता। उनके साहस, समर्पण और वीरता ने पूरे पुलिस बल को गौरवान्वित किया है। इन वीर सपूतों से कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। 20 जनवरी 25 की रात निरीक्षक,दलनायक सुनील कुमार एसटीएफ उत्तर प्रदेश की टीम के साथ एक लाख के इनामी अपराधी अरशद की तलाश में निकले थे। टीम में उप निरीक्षक प्रमोद कुमार, मुख्य आरक्षी प्रीतम सिंह, मुख्य आरक्षी चालक जयवर्धन, उप निरीक्षक जयबीर सिंह, मुख्य आरक्षी रोमिश तोमर, मुख्य आरक्षी आकाश दीप, मुख्य आरक्षी अंकित श्योरान और आरक्षी चालक प्रदीप धनकड़ शामिल थे। मुखबिर से सूचना मिली कि अरशद और उसके साथी सफेद ब्रेजा गाड़ी में किसी बड़े अपराध की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ टीम ने रात 11 बजे बिडौली चौसाना चौराहा, जनपद शामली पर घेराबंदी की। गिरफ्तारी के प्रयास में बदमाशों ने उदयपुर भट्ठे के पास पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की बौछार के बीच निरीक्षक सुनील कुमार को कई गोलियां लगीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और नेतृत्व जारी रखा। उनकी टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें चार बदमाश घायल हुए और बाद में उनकी मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल निरीक्षक सुनील कुमार को अमृतधारा अस्पताल करनाल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें मेदांता गुरुग्राम रेफर किया गया। उपचार के दौरान 22 जनवरी 2025 की दोपहर 2रू30 बजे उन्होंने वीरगति प्राप्त की। उनका यह बलिदान उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह की ड्यूटी 12 मई 2025 को प्रभारी निरीक्षक चन्दवक, जौनपुर के हमराह के रूप में लगाई गई थी। 17 मई को वे तहसील दिवस के बाद थाना जलालपुर जौनपुर क्षेत्र में गो–तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में शामिल थे। प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह के साथ वे खुज्झी मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। रात लगभग 11रू50 बजे पिकअप वाहन (संख्या यूपी 65 पीटी 9227) के चालक और सवार अभियुक्तों को रोकने के लिए इशारा किया गया। तभी चालक ने जान से मारने की नियत से वाहन मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह के ऊपर चढ़ा दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल बीएचयू वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर अभियुक्तों का पीछा किया। अभियुक्तों ने ग्राम सतमेसरा के बगीचे में छिपकर पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें जवाबी कार्रवाई में तीनों अभियुक्त घायल हुए और एक अभियुक्त सलमान की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह का यह बलिदान न केवल जौनपुर पुलिस बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन गया। 25 मई 2025 को उप निरीक्षक सचिन राठी के नेतृत्व में पुलिस टीम थाना फेस–3, गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में पंजीकृत एक मामले के वांछित अभियुक्त कादिर की तलाश में गई। टीम में उप निरीक्षक उदित सिंह, उप निरीक्षक निखिल, कांस्टेबल सचिन, कांस्टेबल सौरभ, कांस्टेबल सन्दीप कुमार और कांस्टेबल सोनित शामिल थे। मुखबिर की सूचना पर टीम ग्राम नहाल, थाना मसूरी, जनपद गाजियाबाद पहुँची। मुखबिर ने बीच में बैठे व्यक्ति की पहचान कादिर के रूप में कराई। पुलिस ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया, लेकिन कादिर ने शोर मचाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनते ही भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस टीम पर हमला कर दिया।

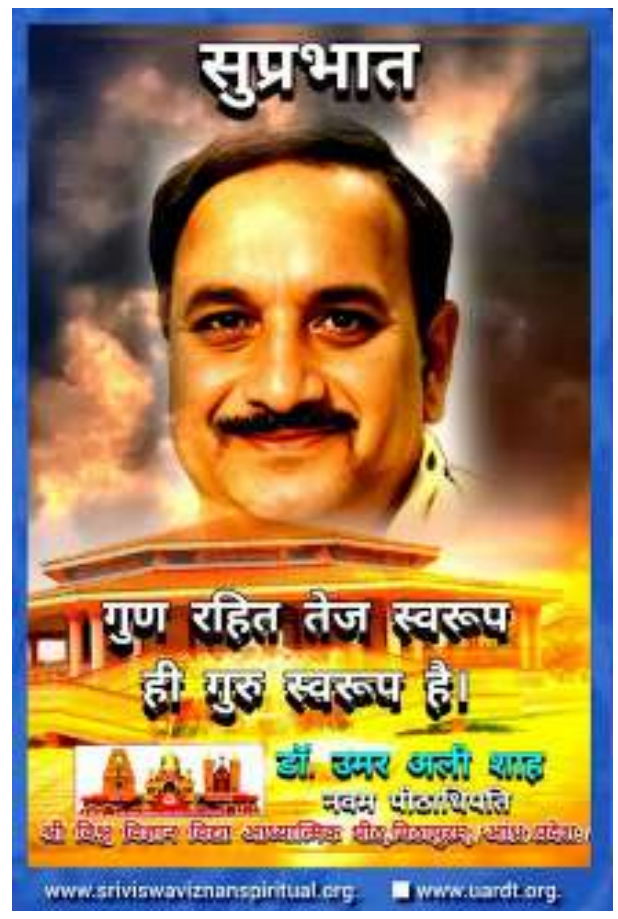

ब्रह्म कमल

(कुण्डलिया)

चमकीला इक फूल है, 'ब्रह्म कमलश है नाम।
औषधीय गुण से भरा,लगता बहुत ललाम।
लगता बहुत ललाम, रूप सुन्दर आकर्षण।
हरि का बनकर वास, कराता हरि का दर्शन।
सुन लो कहें प्रदीप, रंग इसका सपनीला।
पंखुड़ियों में समा, बनाती हैं चमकीला।।

आठ इंच के व्यास का, है दुर्लभ जो फूल।
'ब्रह्मकमलश कहते उसे, खिलता ऋतु अनुकूल।
खिलता ऋतु अनुकूल,रात खुलती पंखुड़ियाँ।
उदित हुआ ज्यों सूर्य, ले उड़ी इसको परियाँ।
सुन लो कहें प्रदीप,पर्वतों पर है रहते।
लाल गुलाबी श्वेत, फूल हैं आठ इंच के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

युवा कवयित्री सैयदा अनोवारा खातून को गुवाहाटी (असम) में मिला ग्लोबल विभुति आइकोन अचीवर्स अवॉर्ड

विश्वनाथ। आध्यात्मिक जगत विश्व विद्यालय (Spiritual world University)अनुवाद संस्थान एवं गुवाहाटी राष्ट्रभाषा महाविद्यालय परिचालना समिति के तत्तावधान में आयोजित 12 . 10.2025 तारूको देश विदेश के बहुत सारे साहित्यकार ,समाज सेवी ,शिक्षाविदो , हिंदी सेवी , सेविकाओं को एक भव्य आयोजन हेतु गुवाहाटी असम में ग्लोबल विभुति आइकोन अचीवर्स अवॉर्ड –2025, से सम्मानित किया गया है। विश्वनाथ चारिआलि असम की युवा कवयित्री एवं शिक्षिका सैयदा अनोवारा खातून को

भी इस महान सम्मान का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सैयदा अनोवारा खातून एक शिक्षिक होने के साथ –साथ हिंदी भाषा साहित्य के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और विभिन्न हिंदी संस्थान के साथ भी जुड़े हुए हैं। विभिन्न पुस्तक–पत्रिकाओं में भी सैयदा जी की कविता,कहानि प्रकाशित होती रहती है। 2023 में सैयदा जी की एक काव्य संग्रह ष जिंदगी तेरे लिएष्प्रकाशित हो चुकी है ।आशा है अहिंदी भाषी होते हुए भी हिंदी भाषा साहित्य के प्रति सैयदा जी की साहित्य आहुति जीवन को एक नये राह पर ले जाएंगे। हिंदी भाषी साहित्य के सेवा के लिए सैयदा जी को बहुत सारे सम्मान से भी सम्मानित हो चुकी है।विश्व नाथ चारिआलि (असम) से सभी मित्र गण सैयदा जी की इस साहित्य साधना और सम्मान के लिए हृदयतल से शुभकामनाएं प्रेषित कर रहे हैं।

अनारक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित अनारक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 09157/09158 अंकलेश्वर-समस्तीपुर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09157			गाड़ी संख्या - 09158	
अंकलेश्वर - समस्तीपुर			समस्तीपुर - अंकलेश्वर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	15:40	अंकलेश्वर	02:30	.....
14:00	14:05	मानिकपुर	02:22	02:25
15:45	15:50	प्रयागराज छिवकी	21:00	21:05
05:30	.....	समस्तीपुर	.....	06:30

• अंकलेश्वर से गाड़ी संख्या 09157, दिनांक : 23.10.2025 से 24.10.2025 तक
• समस्तीपुर से गाड़ी संख्या 09158, दिनांक : 25.10.2025 से 26.10.2025 तक

गाड़ी सं. 09009/09010 बान्द्रा टर्मिनस-पटना अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09009			गाड़ी संख्या - 09010	
बान्द्रा टर्मिनस - पटना			पटना - बान्द्रा टर्मिनस	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	21:20	बान्द्रा टर्मिनस	05:00	.....
23:30	23:32	मानिकपुर	00:23	00:25
01:35	01:40	प्रयागराज छिवकी	21:45	21:50
11:00	.....	पटना	.....	14:00

• बान्द्रा टर्मिनस से गाड़ी संख्या 09009, दिनांक : 23.10.2025 (गुरुवार) एवं 24.10.2025 (शुक्रवार)
• पटना से गाड़ी संख्या 09010, दिनांक : 24.10.2025 (शुक्रवार), 25.10.2025 (शनिवार) एवं 26.10.2025 (रविवार)

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 1959/25(AS)

सम्पादकीय.......

डोनाल्ड ट्रंप के फर्जी दावें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दोहरा रवैया एक बार फिर सामने आया है। सितंबर को उनके दो बयान दिनभर सुर्खियां बटोरते रहे। लेकिन उक्त बयानों की हवा निकल गई। अब उनके एक और दावे की भारत ने खण्डन कर दुनिया को बता दिया है कि डोनाल्ड ट्रंप फर्जी दावे करते करते है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले बुधवार को दावा किया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि उनका देश रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव तुरंत नहीं होगा, बल्कि कुछ समय में होगा। इसका भारत की तरफ अगले ही दिन इसका खंडन आ गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है।अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हालॉकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर कुछ दिन बाद ऐसे दावे करते दिखते हैं, जो पहली नजर में बड़े महत्त्व के लगते हैं। मगर थोड़ा वक्त गुजरते ही उनके दावों को लेकर जिस तरह के तथ्य सामने आते हैं, उससे उनकी बातों की विश्वसनीयता पर संदेह खड़े हो जाते हैं। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर हमले किए, तो उस संघर्ष को रोकने को लेकर हाल में ट्रंप ने जिस तरह के दावे किए और भारत ने उसे निराधार बताया, उससे उनकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। यही नही अभी एक और दावा बयान इजराइल और हमास को लेकर उनका सामने आ रहा है। अमरीकी राष्टपति ट्रम्प की पहल पर इस्राईल हमास समझौते को इस्राईली मानेंगे इसका यकीन किसी को नहीं है। अब शुल्क लगाने की नीति के जरिए व्यापार युद्ध की स्थिति खड़ी करने के क्रम में अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा कर भारत पर दबाव बनाने की विचित्र कोशिश शुरू की है। जब भारत ने इस संबंध में नीतिगत फैसला लेने के अपने अधिकार के तहत रूस से तेल आयात करना जारी रखा, तो अब ट्रंप ने अलग स्तर का दावा करके भारत को असहज करने का प्रयास किया है।दरअसल, अमेरिका की ओर से जुर्माना लगाने की घोषणा के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल के आयात के संबंध में अपने हितों के अनुकूल फैसले पर अमल जारी रखा है। इसी के मद्देनजर अब ट्रंप ने एक नया राग छेड़ा है, जिसके जरिए शायद वे भारत को कमजोर साबित करने की इच्छा रखते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ऐसा लगता है कि रूस से तेल खरीद को लेकर भारत के बारे में ट्रंप ने जो कहा है, उसका मकसद भी सिर्फ भारत पर दबाव बनाना और रूस को उकसाना भर है। इस तरह की खोखले बातों के जरिए ट्रंप क्या हासिल कर लेंगे ? ट्रंप अक्सर वे अलग–अलग देशों के बीच युद्ध रुकवा देने का श्रेय लेते हैं और इस नाते उन्होंने नोबेल शांति सम्मान पाने की भी इच्छा जताई। जबकि पाकिस्तान के साथ हुए टकराव में भारत यह साफ कर चुका है कि संघर्ष विराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। भारत के साथ व्यापार वार्ता के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले ही उन्होंने जिस तरह भारी आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी और उसका दायरा और विस्तृत किया, वह एक तरह से अन्य देशों और खासतौर पर भारत के नीतिगत फैसलों को प्रभावित करने की ही कोशिश थी। कं मगर रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा से यह साबित हुआ किअमेरिका की नजर में भारत या अन्य देशों के नीतिगत फैसले लेने के अधिकार और संप्रभुता की कितनी कद्र है। इसी तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम का कई बार दावा कर चुके हैं। पहली बार 10 मई को, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं। जबकि भारत ने तत्काल किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीद को लेकर लगातार भारत को घेरते रहे हैं। ट्रंप अक्सर भारत और चीन पर रूसी हथियार खरीदने का आरोप लगाता रहा है। इसके बारे में राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि यह हथियार यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध में उसे धन मुहैया कराते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने रूस से तेल आयात करने को लेकर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी लगा चुके हैं। ट्रंप कहते चुके हैं कि भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं। दूसरी तरफ, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ही ट्रंप के दावे को यह कह कर खारिज कर दिया कि भारत उनके साथ है। पिछले महीने ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि भारत हमारे साथ ही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर की शुरुआत में दावा किया कि भारत ने अब शुल्क में कटौती कर इसे नाममात्र करने की पेशकश की है, लेकिन अब इसमें देर हो चुकी है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि बहुत कम लोग यह जानते हैं कि हम भारत के साथ बहुत थोड़ा व्यापार करते हैं, लेकिन वे हमारे साथ बहुत ज्यादा व्यापार करते हैं। ट्रंप के इस दावे की पोल विदेश मंत्री जयशंकर के साथ ही पीएम मोदी ने खुद ही खोली थी। भारत ने अमेरिका की तरफ से लगाए गए शुल्क को अनुचित बताया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वह किसानों, पशुपालकों और छोटे उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा था कि हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति रूस से तेल आयात को लेकर भारत की कई बार आलोचना कर चुके हैं। इस साल अगस्त महीने में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी आलोचनाओं पर ट्रंप को आईना दिखाया था। जयशंकर ने कहा था कि चीन और यूरोपीय संघ रूसी ऊर्जा के बड़े खरीदार हैं। उन्होंने कहा कि भारत केवल वैश्विक बाजारों को स्थिर करने के लिए काम कर रहा है, जैसा कि अमेरिका ने भी कहा है।जयशंकर ने दो टूक कहा था कि हम रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं, वह चीन है। हम एलएनजी के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं, वह यूरोपीय संघ है। हम वह देश नहीं हैं जिसका 2022 के बाद रूस के साथ व्यापार में सबसे बड़ा उछाल आएगा। मुझे लगता है कि दक्षिण में कुछ देश हैं। विडंबना यह है कि ट्रंप दुनिया भर में एक महाशक्ति माने जाने वाले देश के राष्ट्रपति हैं, लेकिन अक्सर किए जाने वाले उनके दावों और उसके बरक्स हकीकत की वजह से उनके व्यक्तित्व की गंभीरता सवालों के घेरे में आ रही है।

अब भी नहीं चेत रहे चीनी गतिविघियों से

हुजैफा

चीन ने भारत को 1962 में धोखे से युद्घ के मुहं में ढ़केल दिया था, भारत यह लड़ाई तो हार गया। किन्तु इस हार से अब तक भारत ने सबक नहीं लिया।

20 अक्टूबर 1962 में भारत–चीन सीमा पर आज भी वह युद्घ के भयानक लम्हें उन लोगो को याद है जिन्होंने इस लड़ाई को देखा और महसूस किया। आज दशकों बीत जाने के बाद भी हार के घाव टीस रहे है। सेना अपने उन जवानों को याद कर रही जिन्होंने अभावों और कम संसाधनों के कारण अपनी जान गवांई। हमने इतने सालों में भी इस हार से सबक नहीं लिया है। विकट मौसम में बिना साधनों के हमारे वीर सैनिकों ने भारत की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहूति दे दी। ऐसी सर्द हवाएं जिसमें लोगो को घर में रजाई मे भी सर्दी लगे और ऐसा घटाटोप अंघेरा की अपने ही हाथ न दिखाई दे ऐसी भयानक सर्दी और पहाडी दुर्गम रास्तों पर चीन ने धोखे से भारत को 1962 में 19–20 की रात भारत पर हमला किया। अरुणाचल और सिक्कीम में घमासान हुआ, चीन ने स्वंय ही 14 नबम्बर को युद्घ विराम किया। इस दौरान उसने भारत के अपने से सटे हुए इलाको पर अपना लाल पर्चम फहरा दिया जो आज भी लहरा रहा है। इस शिकस्त में कुमाडं रेजीमेंट के 114 लड़ाके शहीद हुए थे। यह कटु सत्य है कि चीन ने हमको हमारी ही धारती पर बुरी तरह हराया और हमारी जमीन पर अपना कब्जा किया जिसमें से आज भी 50 प्रतिशत भूमि चीन के कब्जे में है और हमारी सरकारें उसे चीनी कब्जें से मुक्त कराने में असफल ही रहीं है। 14 नवम्बर को भारतीय संसद में यह कसम ली गई कि भारत अपने इलाके को चीन से वापस लेकर ही दम लेगा किन्तु आज पूरे 63 साल हो जाने के बाद भारत सिर्फ आधी जमीनों पर ही अपना कब्जा कर पाया है। आधे पर आज भी चीनी सेना काबिज है। यह सच है कि भारत ने इस हार से कुछ सीख नहीं ली। चीन ने भारत को 1962 में धोखे से युद्घ के मुहं में ढ़केल दिया था, भारत यह लड़ाई तो हार गया। किन्तु इस हार से अब तक भारत ने सबक नहीं लिया। उसी का नतीजा है कि आज भारत को चीन चारों ओर से घेर रहा है। चीन का भारत की अर्थव्यवस्था और पड़ोसी देशों से दोस्ती किसी नई साजिश के तहत हो रही है। भारत का इतिहास अगर उटा कर देखा जाये तो हम यह पायेगे कि अब तक जितने भी विदेशी आक्रमणकारी आये उन्होंने हमे लूटने के अलावा हमारी आत्मा को जो चेट दी उसकी टीस आज हजारों साल बाद भी उतनी ही होती है। चाहे सिकन्द ने भारत पर हमला किया हो या महमूद गजनवी ने हमारे मंदिरों में लूट की हो चाहे जय चन्द्र ने वतन का सौदा किया हो, हर हाल में देश की आत्मा और मान सम्मान का ही सौदा किया गया है। सभी ने हमारे आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई है, भारत के अंचल को दागदार किया गया है। फिर भी भारत मां ने अपने आंचल में विदेशियों को भी बराबर मान–सम्मान दिया है। सिकन्द से लेकर अंग्रेजों और अब भारत के पडोसी देशों से भारत की आत्मा कराह रही है। इसे इस तकलीफ से कब तक निजात मिलेगी पता नहीं पर यह जरुर मालूम है कि हमारी सरकारों को इस बात की कोई चिन्ता नहीं वह बस अपना नफा हर बात हर काम में देखते है। १९९९ में एक बार फिर कारगिल की वह काली रात भारत को देखनी पड़ी जब एक बार फिर पाकिस्तान के जनरल पवेज मुर्शरफ ने भारत को कारगिल की लड़ाई में झोक दिया। चीन युद्घ के 63 सालों और अब के सुधारों के बारे में जब हमने कुछ पुराने सेनाधिकारियों से हार के कारणों और अपनी सेना में सुधार के बारे में जानना चाहा तो उन्होने जो बताया वह वास्तव में दहलाने वाला कड़वा सच है। उन्होंने बताया हमने इन पैसठ सालों में हर क्षेत्र में तकनीकी, खेल, आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में काफी उन्नति की और उस खाई को काफी हद तक पार भी किया किन्तु चीन हमसे इस दौरान दस गुना आगे बढ़ गया है। यह कटु किन्तु सत्य है कि आज चीन अपनी तुलना दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका से कर रहा है और भारत अपने भ्रष्टाचार, घोटालों और आन्तरिक परेशानियों से जूझ रहा है। किन्तु चीन ने हर क्षेत्र में हमसे अधिक तरक्की की और आज वह हमसे बेहतर स्थिति में होने के कारण हमे चारों ओर से घेरने के अलावा वह पाकिस्तान को मदद के माधयम से वहां अपना ठीहा बना रहा है। चीन ने लंका की मदद कर वहां अपने खडे रहने की जमीन बना ली है। भारत ने इन 63 सालों में काफी तरक्की की है किन्तु हमारे देश की अधिकांश ताकत का इस्तेमाल आन्तरिक सुरक्षा के लिये हो रहा है। भारत को जितना विरोध विदेशियों से सहना पड़ रहा है उतना ही उसे देश के अन्दर अपने ही लोगो जो भटक गये और आतंकवादियों, माओवादियों और नक्सलियों बन गये उनसे लड़ना पड़ रहा है। इससे भारत की सेनाओं को इससे बेजा बोझ और आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। इस बारे में एक पूर्व सेनाध्यक्ष ने बताया पहले राजाओं और खानादानों के लोग अपने परिवार के बच्चों को सेना में भेजते थे किन्तु आज अच्छे घरानों और नेताओं के बच्वें सेना में जाना नहीं चाहते। आज सेना की नौकारी के लिये अच्छे लोग आगे नहीं आ रहे सेना में इस समय अधिकारियों की कमी है। सेना में अधिकांश बेरोजगार लोग ही आ रहे है। जो मध्यम परिवार से होते है और काम की तलाश में अपने परिवार के लिये नौकरी करते है। सरकार बेरोजगारों का फायदा उठाकर उनको कम वेतन पर सेना में भर्ती कर रही है। और अब तो अग्निवीरों को भर्ती किया जा रहा जो देश की सेवा कर रहे है। इसके पीछे के कारणों पर पड़ताल की तो पता चला की एक पढ़े लिखे को जो वेतन मिलता उससे भी कम वेतन सेना के जवानों को रिस्क के साथ मिलता है। तो बिना रिस्क और हार्ड वर्क के आज का युवा सेना की ओर आकर्षित नहीं हो रहा है।

बाहर–भीतर उजाले के साथ फैलाएं सर्वत्र खुशहाली

आशीष बाजपेयी

अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, दुष्चरित्रता पर सच्चरित्रता की और निराशा पर आशा की जीत का पर्व दीपावली भारतीय संस्कृति व सामाजिक दर्शन का मूल भाव दर्शाता है। पारंपरिक रूप से इस मौके पर लक्ष्मी पूजन के साथ खुशहाली की कामना समाज के हर वर्ग के लिए है जिसे बढ़ावा देने की जरूरत है। दूसरे पर्वों की तरह यह पर्व भी प्रकृति व सामाजिक परिवेश के प्रति दायित्व निभाने का संदेश लिये है। मसलन हम पारंपरिक उद्यमों से निर्मित सामान खरीदकर उन्हें संबल दें। वहीं यथा–संभव पर्यावरण–मित्र दिवाली मनाएं। अठारहवीं सदी के शायर नजीर अकबराबादी ने लिखा है, हर इक मकां में जला फिर दिया दिवाली का हर इक तरफ को उजाला हुआ दिवाली का। दिवाली आम त्योहार नहीं है। यह हमारे सामाजिक दर्शन से जुड़ा पर्व है। भारत का यह सबसे शानदार त्योहार है, जो दरिद्रता और गंदगी के खिलाफ है। अंधेरे पर उजाले, दुष्चरित्रता पर सच्चरित्रता, अज्ञान पर ज्ञान की और निराशा पर आशा की जीत का पर्व। यह सामाजिक नजरिया है, 'तमसो मा ज्योतिर्गमय।' 'अंधेरे से उजाले की ओर जाओ' यह उपनिषद् की आज्ञा है। क्या ज्ञान की इस रोशनी का मतलब हम समझते हैं? दीपावली का वास्तविक संदेश है, अज्ञान को त्यागें और ज्ञान की रोशनी फैलाएं। दीपावली लक्ष्मी की पूजा का पर्व है। अर्थात हम समृद्धि के पुजारी हैं। समृद्धि का अर्थ है, जीवन में खुशहाली। पर यह खुशहाली तभी सार्थक है, जब वह पूरे समाज के लिए उपलब्ध हो। निजी तौर पर किसी एक व्यक्ति या एक समूह के लिए नहीं। यह विचार और सिद्धांत आज भी जीवन पर लागू होता है। इसका आशय है कि यह समृद्धि समावेशी होनी चाहिए। समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस समृद्धि का लाभ पहुंचे। हम अपने परंपरागत पर्वों और उत्सवों की मूल भावना पर गौर करें, तो पाएंगे कि उनकी संरचना इस प्रकार की थी कि समाज का प्रत्येक वर्ग उस खुशी में शामिल था। इसी भावना को आज भी बढ़ावा देने की जरूरत है। दीपावली केवल एक पर्व नहीं है। कई पर्वों का समुच्चय है। इस दौरान पांच दिनों के पर्व मनाए जाते हैं। इन पांच दिनों में हमारी परंपरागत जीवन–शैली, खानपान और सामाजिक संबंधों पर भी रोशनी पड़ती है। हम अपने पारंपरिक उद्यमों को संरक्षण देते हैं, ताकि समाज के सभी वर्गों को उत्सव का लाभ मिले। यह भी कि हम अपने पारंपरिक उद्यमों को नहीं भूलें। सवाल है कि क्या अब हमारी दिवाली वही है, जो इसका मौलिक विचार और दर्शन है? अपने आसपास देखें तो आप पाएंगे कि इस रोशनी के केंद्र में अंधेरा भी है। यह मानसिक दरिद्रता का अंधेरा है। पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले पटाखों को दागने में संयम बरतने के लिए हमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार करना पड़ रहा है। यह तो हमारी अपनी जिम्मेदारी थी। बेशक उत्सव का पूरा आनंद लें, पर उन सामाजिक दायित्वों को न बिसराएं, जो इन पर्वों के साथ जुड़े हैं। जिनका हमारे पूर्वजों ने पालन किया। जैसे–जैसे दीपावली नजदीक आती है, उत्तर भारत के आकाश पर कोहरे की परत गाढ़ी होने लगती है। माहौल में ठंड का प्रवेश होता है, जिसके कारण हवा भारी होने लगती है और वह तेजी से ऊपर नहीं उठती, जिसके कारण धुआं और गर्द 'स्मॉग' की शक्ल ले लेता है। 'स्मॉग' परंपरागत अवधारणा नहीं है, क्योंकि रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी हमारी गतिविधियां 'स्मॉग' बनने नहीं देती थीं। पर औद्योगिक विकास ने 'स्मॉग' को जन्म दे दिया है। सवाल है, ऐसे में हम क्या करें? इसका जवाब है, अपने दायित्वों का निर्वाह करें। पर क्या आप जानते हैं हमारे दायित्व क्या हैं? आपने भले ही न सोचा हो, पर हमारे समझदार पूर्वजों ने जरूर सोचा था। बेशक उन्होंने अपने समय के परिप्रेक्ष्य में सोचा था, और हमें आज के परिप्रेक्ष्य में सोचना होगा। वर्षा ऋतु की समाप्ति के साथ भारतीय समाज सबसे पहले अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए पितृ–पक्ष मनाता है। उसके बाद पूरे देश में त्योहारों और पर्वों का सिलसिला शुरू होता है, जो अगली वर्षा ऋतु आने के पहले तक चलता है। जनवरी–फरवरी में वसंत पंचमी, फिर होली, नव–संवत्सर, अप्रैल में वासंतिक–नवरात्र, रामनवमी, गंगा दशहरा, वर्षा–ऋतु के दौरान रक्षा–बंधन, जन्माष्टमी, शिव–पूजन, ऋषि पंचमी, तीज, फिर शारदीय नवरात्र, करवाचौथ, दशहरा और दीपावली और छठ पूजा वगैरह। इन सभी पर्वों और उत्सवों की सामाजिक–सांस्कृतिक और आर्थिक भूमिका है, जिसे समझे बगैर इन्हें मनाने का कोई मतलब नहीं है। जाने–अनजाने दीपावली की रात आप अपने घर में एलईडी के जिन नन्हें बल्बों से रोशनी करने वाले हैं उनमें से ज्यादातर विदेश (चीन आदि) में बने होंगे। हालांकि पिछले कुछ वर्षों की सामाजिक–चेतना ने स्वदेशी–सामग्री की ओर भी हमें प्रेरित किया है, पर ज्यादा बड़ा अंतर नहीं आया है। वैश्वीकरण की वेला में हमें इन बातों के निहितार्थ और अंतर्विरोधों को समझना चाहिए। दीपावली के मौके पर बाजारों में भारतीय खिलौने भी कम होते जा रहे हैं। उनकी जगह चीन में बने खिलौने ले रहे हैं। भारतीय बाजार की जरूरतों को समझ कर माल तैयार करना और उसे वाजिब कीमत पर उपलब्ध कराना व्यावसायिक सफलता है। हमारे पास इस बात के प्रमाण हैं कि भारत की परम्परागत उद्यम–भावना कमजोर नहीं है। उसे उचित दिशा और थोड़ा सा सहारा चाहिए और जोखिमों से निपटने वाली मशीनरी भी। बेशक आज मिट्टी के दीयों की उपयोगिता कम है। पर हमारे कारीगर अपने हुनर का इस्तेमाल करके कुछ नया भी तैयार कर सकते हैं। कुछ साल पहले तक बिसरा दिए गए कुल्हड़ आज नई शक्ल में बाजार में आ गए हैं।

गरीबों की दिवाली

इस जगमगाती दुनियां में हम खो से गए हैं,
बनाकर मिट्टी के दिये हम रोने से लग गए हैं।

बनाकर दिये मिट्टी के इन्होंने जरा सी आस पाली हैं,
इनकी भी मेहनत खरीद लो भाईयों क्योंकि इनके घर भी दिवाली हैं।

सभी करते है मोल भाव क्योंकि सामने गरीब खड़े हैं,
नहीं करते बड़े बड़े मॉल में मोल भाव क्योंकि सामने अमीर खड़े हैं।

हर साल दिवाली में ज्यादा से ज्यादा दिये जलाएंगे,
ताकि ये गरीब भी अपने घर में दिवाली मना पायेंगे।

नहीं जलाएंगे चाइनीज लाइट देश की सुरक्षा के लिए,
हर साल दिवाली में दो दिये ज्यादा जलाएंगे जवानों के सुरक्षा के लिये।

सुजीत कुमार शर्मा
विश्वनाथ चारिआली असम
9085706217

भारत की मिसाइल शक्ति हुई और प्रखर, 800 किमी ब्रह्मोस

नीरज कुमार दुबे

भारत ने अपनी सामरिक प्रहार क्षमता में एक और ऐतिहासिक छलांग लगाई है। देश अगले दो वर्षों में 800 किलोमीटर रेंज वाली नई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइलों का इंडक्शन शुरू करेगा। यह मिसाइल मौजूदा 450 किमी संस्करण की तुलना में लगभग दोगुनी दूरी तय कर सकेगी और तीन गुना आवाज़ की गति से (मैक 2.8) प्रहार करने में सक्षम होगी। नौसेना और थलसेना इसे पहले चरण में अपनाएंगी, जबकि वायुसेना के लिए इसका एयर–लॉन्च संस्करण कुछ समय बाद तैयार होगा। इसके साथ ही, 200 किलोमीटर से अधिक रेंज वाली स्वदेशी ऑस्ट्रा मार्क–2 एयर–टू–एयर मिसाइलें भी 2026दृ27 तक उत्पादन के लिए तैयार होंगी। दोनों मिसाइलें न केवल भारत की "स्टैंड–ऑफ" स्ट्राइक क्षमता को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगी, बल्कि विदेशी हथियारों पर निर्भरता को भी कम करेंगी। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन को निर्णायक रूप से भारत के पक्ष में झुका देगा। देखा जाये तो भारत की नई 800 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल केवल एक तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के सामरिक परिदृश्य में शक्ति संतुलन की नई परिभाषा है। यह सिर्फ एक हथियार नहीं, बल्कि संदेश है कि भारत अब किसी भी शत्रु के ठिकाने को दूर से सटीकता से नेस्तनाबूद करने में सक्षम है और वह भी बिना परमाणु हथियारों के सहारे। ब्रह्मोस का यह नया संस्करण, जो मौजूदा 450 किमी रेंज से लगभग दोगुना दूर तक प्रहार कर सकता है, भारतीय सैन्य सिद्धांत में "दूरस्थ और निर्णायक प्रतिशोध" की क्षमता को साकार करता है। चाहे समुद्र हो, भूमि या आकाशकृ यह सुपरसोनिक मिसाइल अपने लक्ष्य पर ऐसी गति से वार करती है कि प्रतिक्रिया का समय शून्य के बराबर रह जाता है। आज, जब अधिकांश राष्ट्र 'सटीक, सीमित और त्वरित युद्ध' की दिशा में जा रहे हैं, भारत का यह कदम उसकी सामरिक परिपक्वता का परिचायक है। इस मिसाइल की 800 किमी मारक क्षमता का सबसे बड़ा सामरिक अर्थ पाकिस्तान के संदर्भ में उभरता है। पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई सीमित है। उसके प्रमुख सैन्य ठिकाने, हवाई अड्डे, और रसद केंद्र सीमा से कुछ सौ किलोमीटर के दायरे में हैं। 800 किमी की ब्रह्मोस मिसाइल इन सभी पर बिना भारतीय विमानों को सीमा पार भेजे सीधे प्रहार करने में सक्षम होगी। यह 'स्टैंड–ऑफ स्ट्राइक' क्षमता भारत को वह सामरिक लाभ देती है जो पाकिस्तान के पास न तकनीकी रूप से है, न संसाधन के रूप में। ऑपरेशन सिंदूर में जब भारतीय वायुसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों से सीमापार आतंक ठिकानों को ध्वस्त किया था, तब ही यह स्पष्ट हो गया था कि भारत अब अपने स्टाइल से प्रहार करेगा। 800 किमी ब्रह्मोस उस रणनीति को और भी प्रखर बना देगी। यदि कल को पाकिस्तान किसी भी तरह की उकसावेभरी हरकत करता है, तो भारत को अब किसी लंबी युद्ध–तैयारी या सीमित हवाई मिशन की जरूरत नहीं होगी, केवल आदेश देना होगा और परिणाम तय होगा। दूसरी ओर, 200+ किमी की ऑस्ट्रा मार्क–2 मिसाइलें वायुसेना को निर्णायक आकाशीय बढ़त देंगी। अब भारत दुश्मन के फाइटर जेट्स को उनके राडार कवरेज में आने से पहले ही गिरा सकेगा। मई के हवाई अभियानों में पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए चीनी च्स्–15 मिसाइलों ने भारत के लिए यह चेतावनी दी थी कि वायुक्षेत्र में "रेंज का खेल" निर्णायक होता है। ऑस्ट्रा–2 और आने वाली ऑस्ट्रा–3 इस कमी को पूरी तरह समाप्त कर देंगी। इस सैन्य विकास का पाकिस्तान के लिए अर्थ स्पष्ट हैकृ उसकी मौजूदा रक्षा–संरचना पुरानी पड़ चुकी है। न उसकी वायु रक्षा प्रणाली ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक मिसाइल को रोक सकती है, न उसकी आर्थिक स्थिति नई तकनीकों की दौड़ में बने रहने की अनुमति देती है। यदि भारत अपनी 800 किमी ब्रह्मोस को नौसेना के जहाजों, थलसेना के मोबाइल लॉन्चर और वायुसेना के सुखोई जैसे प्लेटफॉर्म्स पर तैनात करता है, तो पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाएगी। यह मिसाइल भारत को केवल पश्चिमी मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक गहराई देती है। चीन के संदर्भ में भी, यह क्षमता भारतीय नौसेना को मलक्का से अंडमान तक "सर्जिकल कंट्रोल" प्रदान करेगी। लेकिन पाकिस्तान के लिए खतरा तात्कालिक हैकृ उसे अब न केवल अपनी सीमाओं पर सतर्क रहना होगा बल्कि अपने एयरबेस और कमांड सेंटरों को भी गहराई तक पुनर्गठित करना पड़ेगा। यह उसके सीमित संसाधनों पर भारी बोझ डालेगा। भारत की रक्षा नीति अब "रिएक्टिव" नहीं, बल्कि "प्रो–एक्टिव डिटरेंस" की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यह नीति स्पष्ट संकेत देती है कि भारत अब केवल जवाब नहीं देगा, बल्कि शर्तें तय करेगा। यह वही भारत है जो तकनीकी आत्मनिर्भरता के बल पर अपना सामरिक संतुलन खुद गढ़ रहा हैकृ रूस, फ्रांस या इज़राइल की जगह अब क्त्क्व् और ठतीडवे ।मतवेचंबम भारतीय रक्षा–शक्ति के असली प्रतीक बन गए हैं।

एक्स हसबैंड के निधन के बाद मुस्कुराती दिखीं करिश्मा

"इस पार्टी में करीना की बहन करिश्मा कपूर (लोलो) भी शामिल हुईं। हाल ही में वह अपने एक्स हसबैंड संजय कपूर के निधन के बाद मायूस नजर आई थीं, लेकिन इस पार्टी में लोलो फिर से मुस्कुराती दिखीं। उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट कलर के खूबसूरत आउटफिट में पार्टी अटेंड की और दोस्तों के साथ हंसती-मुस्कुराती नजर आईं।

बॉलीवुड में दिवाली का जश्न पूरे शबाब पर है और इस बार करीना कपूर खान की प्री–दिवाली पार्टी ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। घर पर रखी गई इस इंटिमेट पार्टी में परिवार के खास लोगों और करीबी दोस्तों ने शिरकत की। लेकिन इस पार्टी का असली सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बने इब्राहिम अली खान, जिन्होंने अपने दोनों छोटे भाइयों तैमूर और जेह के साथ मिलकर पूरी महफिल लूट ली। करीना कपूर के सौतेले बेटे इब्राहिम अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह तैमूर और जेह के साथ मजेदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। तीनों भाइयों के चेहरों की मासूमियत और मस्ती ने फैंस का दिल जीत लिया है। फोटो शेयर करते हुए इब्राहिम ने लिखा "तीनों भाई, तीनों तबाही।" यह कैप्शन सोशल मीडिया पर इतना वायरल हो गया कि लोगों ने कमेंट्स में इब्राहिम की तारीफों के पुल बांध दिए। करीना कपूर ने अपने घर पर बिना ज्यादा शोर–शराबे के इंटिमेट दिवाली पार्टी रखी थी। इस जश्न में करीना के परिवार और उनके करीबी दोस्त ही शामिल हुए। फोटोज में करीना पारंपरिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं पति सैफ अली खान भी रॉयल लुक में नजर आए। सोहा अली खान और अमृता अरोड़ा जैसी करीना की क्लोज फ्रेंड्स ने भी पार्टी की झलकियां शेयर कीं, जिन्हें देखकर फैंस ने कहा "पटौदी परिवार की दिवाली सबसे रॉयल। इस पार्टी में करीना की बहन करिश्मा कपूर (लोलो) भी शामिल हुईं। हाल ही में वह अपने एक्स हसबैंड संजय कपूर के निधन के बाद मायूस नजर आई थीं, लेकिन इस पार्टी में लोलो फिर से मुस्कुराती दिखीं। उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट कलर के खूबसूरत आउटफिट में पार्टी अटेंड की और दोस्तों के साथ हंसती–मुस्कुराती नजर आईं। उनकी फोटोज को देखकर फैंस ने कहा "लोलो फिर से अपने पुराने अंदाज में लौट आई हैं। सोहा अली खान, अमृता अरोड़ा और करिश्मा कपूर ने इस पार्टी की झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिन्हें फैंस ने खूब पसंद किया। करीना और करिश्मा की साथ वाली फोटो को लेकर लोगों ने लिखा "दोनों बहनें आज भी बॉलीवुड की सबसे ग्रेसफुल डिवाज हैं। इस पार्टी ने यह साबित कर दिया कि कपूर खानदान की दिवाली सबसे खास होती है जहां रॉयल्टी, परिवारिक प्यार और मस्ती तीनों एक साथ दिखते हैं। इब्राहिम, तैमूर और जेह की फोटो तो अब इस साल की "सबसे प्यारी दिवाली मोमेंट" बन चुकी है।

विवेक अग्निहोत्री ने बताया द फाइल्स ट्रायलॉजी के पीछे परिवार की प्रेरणा

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री, जो द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और हाल ही में आई द बंगाल फाइल्स जैसी सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने कोमल नाहटा के गेम चेंजर्स पॉडकास्ट में एक दिल छू लेने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी फैमिली, खासतौर पर उनकी पत्नी पल्लवी जोशी और उनके बच्चों ने द फाइल्स फ्रेंचाइज की शुरुआत में अहम भूमिका निभाई है। विवेक अग्निहोत्री ने उस पल को याद किया जब उन्होंने और पल्लवी जोशी ने पहली बार द कश्मीर फाइल्स बनाने पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, घ्हम इंडिपेंडेंट फिल्म मेकर्स हैं। जब मैं और पल्लवी द कश्मीर फाइल्स के बारे में बात कर रहे थे, खासकर इसके विषय को लेकर, तो हमने अपने बच्चों को बुलाया। पल्लवी ने उनसे पूछा कि क्या वे इस इंडिया से सहमत हैं, क्योंकि यह एक गंभीर मुद्दा है। वे तब तक बड़े हो चुके थे, हमने उनके सामने यह इडिया रखा और वे तुरंत इसके लिए सहमत हो गए। उन्होंने आगे बताया कि कैसे उनके बच्चों की प्रतिक्रिया इस फिल्म को बनाने के उनके निर्णय में एक अहम मोड़ साबित हुई। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा, "उन्होंने मुझसे कहा कि अगर शिंडलर्स लिस्ट जैसी फिल्म बन सकती है तो यह फिल्म भी बन सकती है। उन्होंने मेरे साथ इन फिल्मों पर काम भी किया है। उन्होंने कहा, एक फिल्ममेकर के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि अगर आप एक महान फिल्म बनाते हुए मर भी जाएं तो क्या फर्क पड़ता है। और उन्होंने कहा कि हम भी इस फिल्म पर काम करेंगे, इसी तरह वे फिल्ममेकिंग में आए।"विवेक रंजन अग्निहोत्री ने हाल ही में द बंगाल फाइल्स का डायरेक्शन किया है, जो इस ट्रायलॉजी की तीसरी फिल्म है। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे विवेक रंजन अग्निहोत्री, पल्लवी जोशी और अभिषेक अग्रवाल ने प्रोड्यूस किया है।

दिवाली पर राधिका मर्चेंट का ट्रेडिशनल स्टाइल वायरल, गजरा और झुमकों के साथ दिखीं बेहद ग्लैमरस

राधिका मर्चेंट ने 17 अक्टूबर को आयोजित रिलायंस की दिवाली पार्टी में अपने शानदार और स्टाइलिश एथनिक लुक से सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुलाबी और सुनहरे रंग के अनारकली सेट में दिखीं राधिका ने ट्रेडिशनल और मॉडर्न फैशन का बेहतरीन मेल पेश करते हुए इस खास मौके की शान बढ़ाई। अंबानी परिवार की सबसे छोटी बहू का यह लुक सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। राधिका ने इस थ्री–पीस अनारकली सेट में एक खूबसूरत रेशमी कुर्ता पहना था, जिसमें अंगरखा स्टाइल की चोली, स्प्लिट बंदगला नेकलाइन और पूरी बाजू थी। कुर्ते पर बारीक गोटा वर्क, जरी, सीक्विन और मोतियों की नक्काशी ने इसे बेहद शाही और ग्लैमरस बना दिया था। इसके साथ उन्होंने फ्लेयर्ड पलाजो पैंट और कढ़ाईदार दुपट्टा कैरी किया, जो उनके पूरे लुक को और भी शानदार बना रहा था। राधिका ने अपने बालों को स्लीक जूड़ा बनाया और उसमें पारंपरिक गजरा लगाया, जो उनके पारंपरिक लुक को और निखार रहा था। उन्होंने पोल्की और डायमंड ज्वेलरी पहनी, जिसमें जूड़े से जुड़ी ईयर चेन और एक सिंगल स्टोन डायमंड रिंग शामिल थी। उनके मेकअप में गुलाबी आईशैडो, आईलाइनर, मस्कारा के साथ–साथ फ्यूशिया पिंक लिपशेड और हल्की कंटूरिंग ने उनके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा दिया। राधिका मर्चेंट, जो उद्योगपति वीरेन मर्चेंट और शैला मर्चेंट की बेटी हैं, ने जुलाई 2024 में अंबानी परिवार के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी के साथ शादी की थी। यह शादी बेहद भव्य और यादगार रही थी, जिसमें परिवार और सेलिब्रिटी की भीड़ शामिल हुई थी। दिवाली पार्टी में राधिका का यह स्टाइलिश और ट्रेडिशनल अवतार दर्शाता है कि वह न केवल फैशन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं, बल्कि एथनिक पहनावे में भी उनका कोई मुकाबला नहीं। इस दिवाली, राधिका ने दिखा दिया कि पारंपरिक पोशाक भी कितनी ग्लैमरस और स्टाइलिश हो सकती है।

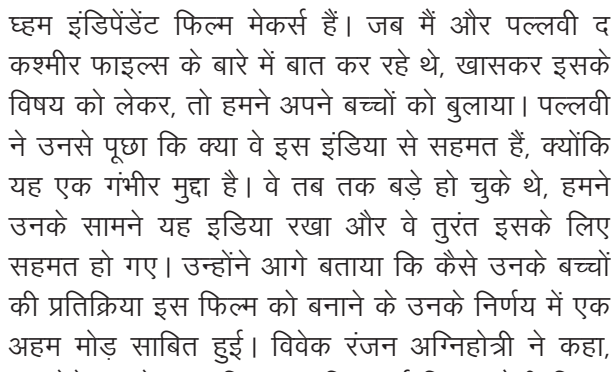

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा की एंट्री, दिसंबर 2026 को होगी रिलीज

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली और बहुप्रतीक्षित फिल्म श्शक्ति शालिनीश को लेकर चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। अफवाहों के बीच, आज दिवाली के मौके पर रिलीज हुई आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म श्थम्माश के साथ, श्शक्ति शालिनीश का आधिकारिक टीजर सिनेमाघरों में जारी कर दिया गया है। टीजर ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री अनीत पड्डा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी की जगह ली थी। श्थम्माश के पोस्ट–क्रेडिट सीन में दिखाए गए इस टीजर क्लिप में, स्क्रीन पर लिखा आता है, श्रक्षक। विध्वंसक। सबकी मां। शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा। शक्ति 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी। यह फिल्म श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की श्स्त्री 2श के बाद मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली किस्त है। मैडॉक की पिछली फिल्में, जिनमें श्स्त्रीश, श्भेड़ियाश, श्मुंज्याश, श्स्त्री 2श और हालिया श्थम्माश शामिल हैं, ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की है। अनीत पड्डा की घोषणा ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्रशंसक उनकी बहुमुखी प्रतिभा को लेकर उत्साहित हैं और इसे उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ मान रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, श्यह फिल्म एक अभिनेत्री के रूप में अनीत की क्षमता को साबित करेगी, इसके लिए उन्हें वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी। एक अन्य नेटिजन ने टिप्पणी की, अगर वह वाकई इसमें कामयाब हो जाती हैं, तो हमें आखिरकार एक जेनरेशन जेड एक्टर मिल जाएगा जो पूरी तरह से मुख्यधारा में आ जाएगा। इसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं! हालांकि, कुछ प्रशंसकों ने उम्मीद भी जताई है कि अनीत इस बड़ी जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगी। एक इंटरनेट यूजर ने इसे उनके लिए 'लिटमस टेस्ट' बताया, जबकि एक अन्य ने 'सैयारा' के बाद उन पर बढ़े दबाव का उल्लेख करते हुए कहा, अब यह फिल्म उनकी अभिनय क्षमता को साबित करेगी... देखते हैं कि वह इसमें कामयाब हो पाती हैं या नहीं। 'शक्ति शालिनी' की रिलीज डेट 24 दिसंबर, 2026 निर्धारित की गई है, और अनीत पड्डा के प्रशंसक बड़े पर्दे पर उनके इस नए अवतार को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'अपने पार्टनर को कैसे सुधारे?' सुनीता ने बिग बॉस में सलमान से पूछा ये सवाल, मिला धमाकेदार जवाब

टेलीविजन का चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। बीती रात हुए वीकेंड वार एपिसोड में मेजबान सलमान खान ने कंटेस्टेंट अमाल मलिक, मालती चहर, गौरव खन्ना और अभिषेत बजाज को कड़ी फटकार लगाई। इस मौके पर खास मेहमान के तौर पर अभिनेत्री सुनीता आहूजा भी शो में शामिल हुईं, जिन्होंने अपने पति और बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प सवाल सलमान से पूछा। जब सुनीता आहूजा मंच पर आईं तो सलमान खान ने उनसे पूछा कि क्या वे शो देखती हैं। सुनीता ने जवाब दिया कि वह नियमित रूप से देखती हैं और कंटेस्टेंट कुनिका सदानंद उनकी पसंद हैं। इसके बाद सलमान ने मजाकिया अंदाज में पूछा, "भाभी जी, घर में क्या हाल हैं?" इस पर सुनीता ने हंसते हुए कहा, "शायद आपको बेहतर पता होगा, लेकिन मैं आपसे ये पूछना आई हूं कि अपने पार्टनर को कैसे सुधारा जाए।" सलमान खान ने मुस्कुराते हुए कहा, "अगर उन्हें कोई सुधार सकता है तो वह सिर्फ एक ही व्यक्ति हो सकती है।" सुनीता ने कहा, "लगभग 40 साल हो गए, फिर भी सुधार नहीं पाया। इसलिए आपकी कुछ सलाह लेनी है।" सलमान ने हंसी रोकते हुए जवाब दिया, "जब हम साथ काम करेंगे तो इस पर जरूर बात करेंगे, पर कहीं ऐसा न हो कि वे मुझे ही सुधार दें। पिछले कुछ समय से खबरें चल रही थीं कि गोविंदा और सुनीता आहूजा के बीच मनमुटाव है और वे तलाक की राह पर हैं। साथ ही यह भी चर्चा थी कि गोविंदा का किसी दूसरी महिला से संबंध है। हालांकि, सुनीता ने बार–बार इन अफवाहों को गलत बताया है और अपने रिश्ते को मजबूत बताया है। उनका कहना है कि 40 साल की शादी निभाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने और गोविंदा ने साथ मिलकर इसे संजोया है। गोविंदा और सुनीता के दो बच्चे हैं– बेटी टीना आहूजा और बेटे यशवर्धन आहूजा। खास बात यह है कि यशवर्धन जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं, जो परिवार के लिए खुशी की बात है। सुनीता आहूजा की उपस्थिति ने शो में नया जोश और हल्की–फुल्की मस्ती का माहौल पैदा कर दिया। सलमान खान के साथ उनकी बातचीत ने दर्शकों का दिल जीता और शो को और भी मनोरंजक बना दिया। 'बिग बॉस 19' के इस सीजन को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं और आने वाले एपिसोड में और भी रोमांचक घटनाएं देखने को मिलेंगी।

मूंग दाल से बनाएं चीला, सूप या सलाद, हर बार पाएं लाजवाब स्वाद, एक्सपर्ट कुकिंग टिप्स यहां

भारतीय खानपान में मूंग एक अहम हिस्सा है, जिससे कई तरह की टेस्टी डिशेज बनाई जाती हैं। यह खाने में न सिर्फ स्वादिष्ट होती है और यह फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसकी खासियत यह है कि इस दाल को पचाना आसान होता है। यही कारण है कि मूंग को आयुर्वेद भी सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप इसको दाल के रूप में, सूप में, अंकुरित करके, चीला या पराठे में शामिल कर सकते हैं।

मूंग का इस्तेमाल सिर्फ पारंपरिक दाल तक सीमित नहीं है, तो इसका इस्तेमाल स्ट्रीट फूड, सलाद, हेल्दी स्नैक्स और कई तरह के व्यंजनों में भी किया जाता है। मूंग की खास बात यह है कि इसको उबालकर, भिगोकर, भूनकर या फिर अंकुरित करके अलग–अलग स्वाद और टेक्सचर में तैयार किया जा सकता है। लेकिन इसको बनाने के दौरान कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ कुकिंग हैक्स लेकर आए हैं।

भिगोकर रखें दाल

यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि मूंग को बनाने से पहले इसको भिगोकर रखना जरूरी होता है। इससे यह न सिर्फ जल्दी पक जाती है, बल्कि यह पचाने में भी आसान होती है। इसके लिए आप करीब 5 घंटे मूंग की दाल को भिगोकर रखें। ऐसा करने से दाल जल्दी गल जाती है और पकाने का समय भी कम हो जाता है। आप चाहें तो इसको मूंग को गुनगुने पानी में 1–2 घंटे तक भिगोकर रख सकती हैं। मूंग दाल का चील बनाने के समय हींग, अदरक और हल्दी डालें। जिससे यह और हल्का हो जाता है।

सूप और स्ट्यू में मिलाएं

मूंग को स्ट्यू और सूप में मिलाने से यह पौष्टिक, भरपूर प्रोटीन वाला और स्वादिष्ट बनता है। आप चाहे हेल्दी सूप बना रहे हों, या फिर गाढ़ा स्ट्यू, तो मूंग का सही इस्तेमाल आपके व्यंजन को टेस्टी और बेहतर बना सकता है। मूंग को सूप में साबुत डालने से इसका हल्का कुरकुरा टेक्सचर बना रहता है। यह अधिक स्वादिष्ट लगता है। मूंग को टमाटर, पालक और लहसुन के साथ हल्दी आंच पर पकाकर हेल्दी और टेस्टी स्ट्यू बनाएं। यह पचाने में हल्का और पेट के लिए भी अच्छा होता है।

क्रिस्पी मूंग चीला

मूंग चीला प्रोटीन से भरपूर, स्वादिष्ट और हल्का नाश्ता है। इसको आप आसानी से घर पर बना सकती हैं। यह तेल कम सोखता है और जल्दी बन जाता है, साथ ही यह स्वाद में भी टेस्टी होता है। इसको सुबह के नाश्ते या फिर हल्के खाने के लिए बनाएं। जब आप मूंग चीला बना रहे हैं, तो ध्यान रखें कि बैटर ज्यादा पतला या गाढ़ा न हो। बैटर का सही टेक्सचर चीले को परफेक्ट क्रिस्पी बनाता है और यह बनाते समय इसको पैनकेक की तरह सेंकना चाहिए। वरना आपका चीला टूट जाएगा।

अंकुरित मूंग

अंकुरित मूंग पोषण से भरपूर होता है और इसको खाने से शरीर को फाइबर, प्रोटीन और विटामिन मिलता है। यह सुपाच्य, हल्का और बेहद स्वादिष्ट होता है। इसको पराठे, सलाद, स्नैक्स और सूप में डालकर आसानी से डाइट में शामिल कर सकते हैं। आप इस दाल को अंकुरित करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप चाहें, तो अंकुरित दाल को खीरा, टमाटर, प्याज, नींबू और चाय मसाला डालकर एक हेल्दी और टेस्टी सलाद बनाएं। इससे यकीनन अंकुरित दाल का इस्तेमाल करना आपके लिए आसान हो जाएगा।

अधिक न पकाएं

मूंग खाने में बहुत हल्का होता है, इसको सुपरफूड भी कहा जाता है। अगर आप इसको जरूरत से ज्यादा पकाते हैं, तो इसका पोषण खत्म हो सकता है और इसके स्वाद पर असर हो सकता है। इसलिए सही टेक्सचर बनाए रखने के लिए इसको सही से पकाना जरूरी है।

ऐसे पकाएं मूंग

इससे यह जल्दी पकता है और अधिक उबालने के जरूरत नहीं होती है।

हल्की आंच पर उबालने से मूंग जल्दी गल सकता है और इसके टेक्सचर खराब हो सकता है।

इसको सिर्फ 5–7 मिनट तक उबालें, जिससे कि यह थोड़ा नरम हो लेकिन पूरी तरह से न गले।

अगर आप मूंग दाल बना रहे हैं, तो तड़का लगाने के बाद अधिक देर तक न पकाएं, जिससे कि मसालों का स्वाद बरकरार रहे।

सिल्वर ज्वेलरी के साथ चाहिए क्लासी लुक, फॉलो करें ये स्मार्ट मेकअप हैक्स

सिल्वर ज्वेलरी पहनने में काफी ज्यादा खूबसूरत और क्लासी लगती है। लेकिन सिल्वर ज्वेलरी के साथ सही मेकअप करना अपने आप में एक कला है। क्योंकि गलत मेकअप करने से ज्वेलरी की चमक फीकी पड़ सकती है। ऐसे में आप सिल्वर ज्वेलरी के साथ मेकअप करने के दौरान 3 बातों का जरूर ध्यान रखें। क्योंकि सही मेकअप से आप अपने लुक को निखारने के साथ क्रिएटिव बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिल्वर ज्वेलरी के साथ मेकअप करने के कुछ खास टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो कर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं।

बेस मेकअप को सिंपल रखें

अगर आप भी सिल्वर ज्वेलरी के साथ मेकअप लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं। तो आपको बेस मेकअप लाइट रखना है। इसके लिए हल्का फाउंडेशन या फिर टिंटेड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए। फेस पर अधिक शिमर या फिर ग्लिटर वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। आप हल्का पीच या पिंक ब्लश लगाकर अपने चेहरे को ग्लोइंग बनाएं।

आंखों का मेकअप न्यूट्रल रखें

आपके आंखों का मेकअप पूरे लुक को बदल सकता है। सिल्वर ज्वेलरी के साथ आंखों पर ज्यादा डार्क और हैवी लुक देने से बचना चाहिए। ऐसे में आप बेज, ब्राउन या फिर हल्के ग्रे जैसे न्यूट्रल शेड्स का चुनाव कर सकती हैं। वहीं मोटी या विंग्ड आईलाइन की जगह पतले या सिंपल लाइनर लगाएं और पलकों पर एक या दो कोट मस्कारा अप्लाई करें। इससे आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखेंगी।

होठों के लिए सही रंग चुनें

बता दें कि होठों का रंग आपके ओवरऑल लुक को बैलेंस करने का काम करता है। सिल्वर ज्वेलरी के साथ न्यूड ब्राउन, बेज या पिंक शेड्स काफी क्लासी लगते हैं। अगर आप भी किसी खास मौके के लिए तैयार हो रही हैं, तो आपको ब्राइट पिंक या रेड जैसे बोल्ड शेड्स चुनने चाहिए। वहीं अगर आप न्यूड लिपस्टिक लगा रही हैं, तो थोड़ा सा लिप ग्लॉस लगाकर होठों को शाइनी बना सकती हैं। इन टिप्स का ध्यान रखकर आप सिल्वर ज्वेलरी के साथ मेकअप लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। इससे आप अधिक खूबसूरत नजर आएंगी। वहीं आगे जब कभी आप सिल्वर ज्वेलरी के साथ मेकअप करेंगी, तो आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होगी।

प्रेग्नेंट होना है तो ऐसे करें अपनी बॉडी को तैयार, बेहद काम आएंगे ये हेल्दी टिप्स

मां बनना हर महिला के जीवन का सबसे खूबसूरत अनुभव होता है। लेकिन यह सफर तभी सुखद और सुरक्षित बन सकता है, जब शरीर और मन दोनों इस जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह तैयार हों। कई बार महिलाएं मानसिक रूप से तो तैयार होती हैं, लेकिन शरीर को प्रेग्नेंसी के लिए पहले से तैयार नहीं करतीं। इसका असर गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चे, दोनों की सेहत पर पड़ सकता है। अगर आप भी जल्द ही मां बनने की सोच रही हैं, तो इन हेल्दी टिप्स को अपनाकर खुद को पहले से तैयार कर सकती हैं।

क्यों जरूरी है शरीर को पहले से तैयार करना

गर्भावस्था के दौरान शरीर में बहुत सारे शारीरिक और हार्मोनल बदलाव होते हैं। अगर शरीर पहले से मजबूत न हो, तो यह सफर थकान, कमर दर्द, पैरों में सूजन और कमजोरी जैसी परेशानियों से भर सकता है। जब शरीर पहले से फिट और स्वस्थ होता है, तो एनर्जी लेवल बना रहता है।

मानसिक और हार्मोनल बैलेंस बेहतर रहता है

डिलीवरी और रिकवरी, दोनों ही आसान हो जाते हैं।

पुरानी चोट या दर्द का पहले इलाज करवाएं

अगर आपको कमर दर्द, सायटिका, घुटनों या हिप जॉइंट की कोई पुरानी समस्या है, तो प्रेग्नेंसी से पहले इनका इलाज जरूर कराएं। गर्भावस्था के दौरान वजन बढ़ने और हार्मोनल बदलाव के कारण ये समस्याएं और बढ़ सकती हैं। इसलिए समय रहते फिजियोथेरेपिस्ट या ऑर्थोपेडिक डॉक्टर की सलाह लें, ताकि आपकी रीढ़ और जोड़ मजबूत रहें।

नियमित एक्सरसाइज बनाएं दिनचर्या का हिस्सा

प्रेग्नेंसी से पहले नियमित व्यायाम करना बेहद जरूरी है। इससे शरीर की स्टैमिना बढ़ती है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। गर्भावस्था के दौरान खून की मात्रा लगभग 45: तक बढ़ जाती है, इसलिए दिल और फेफड़ों का मजबूत होना जरूरी है। आप इन एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकती हैं।

मॉर्निंग वॉक या हल्का जॉगिंग

साइकिलिंग या स्विमिंग

डांस या एरोबिक एक्सरसाइज

योग और स्ट्रेचिंग

ये सभी व्यायाम आपको प्रेग्नेंसी के दौरान थकान, हाई ब्लड प्रेशर और तनाव से बचाने में मदद करते हैं।

पेल्विक फ्लोर मसल्स को मजबूत करें

प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के दौरान सबसे ज्यादा दबाव पेल्विक फ्लोर मसल्स पर पड़ता है। इन्हें मजबूत करने से डिलीवरी के बाद शरीर जल्दी रिकवर करता है और पेशाब या ब्लैडर कंट्रोल की दिक्कतें नहीं होतीं। इसके लिए करें ये एक्सरसाइज।

क्विक फ्लिक केगल्स

हील स्लाइड्स

हैप्पी बेबी पोज (योग)

लंजेस और स्क्वैट्स

इनसे पेल्विक एरिया मजबूत होता है और डिलीवरी के समय दर्द कम होता है।

संतुलित आहार लें, जंक फूड से बचें

गर्भधारण की तैयारी में डाइट का बहुत बड़ा रोल होता है। आपका भोजन जितना हेल्दी होगा, शरीर उतना ही तैयार रहेगा। अपने डाइट में शामिल करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां (पालक, मेथी, सरसों)

प्रोटीन से भरपूर चीजें (दूध, दही, अंडा, दालें, पनीर)

ताजे फल और पर्याप्त मात्रा में पानी

आयरन और फोलिक एसिड युक्त फूड्स

बचें: जंक फूड, पैकेज्ड फूड, ज्यादा तेल–मसाले, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स से।

पर्याप्त नींद और तनाव से दूरी रखें

अच्छी नींद शरीर को रिकवर करने में मदद करती है और हार्मोनल हेल्थ को सपोर्ट करती है। साथ ही स्ट्रेस मैनेजमेंट पर ध्यान दें कृ क्योंकि तनाव गर्भधारण की संभावना को कम कर सकता है। इसके लिए अपनाएं।

योग और मेडिटेशन

हल्का म्यूजिक या किताबें पढ़ना

खुद के लिए समय निकालना

खुश और रिलैक्स मन, स्वस्थ प्रेग्नेंसी की पहली सीढ़ी है।

मां बनने की तैयारी सिर्फ शारीरिक नहीं, मानसिक भी है। मां बनना जीवन का सबसे बड़ा बदलाव है। अगर आप अपने शरीर और मन को पहले से तैयार करती हैं, तो यह अनुभव और भी सुंदर बन जाता है। सही खानपान, एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच यही हैं स्वस्थ प्रेग्नेंसी की कुंजी।

दो मुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए इस्तेमाल करें ये हेयर मास्क, दिखेंगा कमाल का असर

दो मुंहे बालों की समस्या से सभी परेशान है,आज हम आपको इस लेख में हेयर्स के लिए बेस्ट टिप्स देने जा रहे हैं। दो मुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए घर पर ही बनाएं यह स्पेशल हेयर मास्क, आपके काफी कम आएगा हेयर मास्क। आइए जानते हैं इसे कैसे तैयार करें।

स्किन केयर के साथ ही हेयर केयर भी काफी जरूरी है। ज्यादातर महिलाएं भागदौड़ भारी लाइफ के चक्कर में हेयर्स की केयर करना भूल ही जाते हैं। जिस वजह से अधिकत्तर महिलाएं दो मुंहे बालों से परेशान है। अगर आप भी परेशान है दो मुंहे बालों को लेकर, तो यह लेख आपके लिए है। इस लेख में आज हम आपको एक ऐसे हेयर मास्क के बारे में बताएंगे, जिसे आप घर पर कम समय में बनाकर तैयार कर सकती हैं और इससे दो मुंहे बालों से छुटकारा मिल जाएगा।

हेयर मास्क बनाने के लिए सामग्री

– मेथी दाना पाउडर

– दही

– अंडा

– जैतून का तेल

– शहद

कैसे बनाएं हेयर मास्क

– सबसे पहले आप एक कटोरी में थोड़ा मेथी दाना पाउडर निकाल लें।

– अब इसमें दो बड़े चम्मच दही, थोड़ा जैतून का तेव और अंडे का पीला हिस्सा मिलाकर मिक्स कर लीजिए।

– इन सभी चीजों को अच्छे से मिलाने के थोड़ी देर तक इसे फेंट लें।

– अब इसमें ऊपर से थोड़ा शहद डाल दें। शहद मिलाने के बाद इसे अच्छे से मिक्स कर लें और थोड़ी देर के लिए साइड में रख दें।

– फिर आप ब्रश की मदद से हेयर मास्क को बालों में लगा लें। जहां पर दो मुंहे बाल ज्यादा है उस जगह पर हेयर मास्क की डबल लेयर लगा सकते हैं।

– फिर इसे आप 30 मिनट बाद सिर को साफ पानी से धो सकते हैं। इसे हफ्ते में 2 बार यूज कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको काफी फर्क दिखेगा।

संक्षिप्त

दिवाली के बाद सोना-चांदी में भारी गिरावट, सोना 5677 रुपये तो चांदी 25599 सस्ती हुई

नई दिल्ली। दिवाली के बाद सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (प्ठश्र।) के अनुसार सोना 22 अक्तूबर को 24 कैरेट सोने का दाम 3,726 रुपये घटकर 1,23,907 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं चांदी के दाम आज 10,549 रुपये घटकर 1,52,501 रुपये प्रति किलो पर आ गए हैं। बता दें कि सोना अपने ऑल टाइम हाई से 5,677 रुपए और चांदी भी रिकॉर्ड हाई से 25,599 रुपए सस्ती हो गई है।

अमेरिकी टैरिफ के बावजूद जापान का निर्यात बढ़ा, महीने के अंत तक ट्रंप-ताकाइची की मुलाकात होने की उम्मीद

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ के बावजूद सितंबर में जापान के निर्यात और आयात में वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर में जापान के निर्यात में 4.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जापानी वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने एशिया को जापान का निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.2 प्रतिशत बढ़ा। अमेरिका को निर्यात में 13.3 प्रतिशत की गिरावट आई। यह लगातार छठे महीने गिरावट का संकेत है। वहीं चीन को निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सितंबर में अमेरिका को होने वाले ऑटो शिपमेंट में 24.2: की गिरावट आई। टोयोटा मोटर कॉर्प जैसी ऑटो निर्माता कंपनियां जापान की अर्थव्यवस्था के स्तंभ हैं। इसी महीने में जापान का आयात कुल मिलाकर 3.3: बढ़ा, एशिया में 6: की वृद्धि हुई, जिसमें चीन से आयात में 9.8: की वृद्धि शामिल है। यह निष्कर्ष साने ताकाइची को संसदीय मतदान में देश का प्रधानमंत्री चुने जाने के एक दिन बाद आया है। इसके साथ ही वह जापान का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस महीने के अंत में जापान का दौरा करेंगे, जहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री ताकाइची से होने की संभावना है। इससे पहले जुलाई में ट्रंप ने जापान के साथ एक नया व्यापार ढांचा घोषित किया था, जिसके तहत जापानी वस्तुओं पर 15: कर लगाया गया है। इस समझौते के तहत जापान ने अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने और अपने बाजार को अमेरिकी ऑटोमोबाइल व चावल के लिए और अधिक खोलने का वादा किया है। यह टैक्स दर पहले प्रस्तावित 25: से घटाकर 15: कर दी गई है, जिसे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए आरबीआई ने अगस्त में बेचे 7.7 अरब डॉलर, बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को रोकने और अमेरिकी मुद्रा मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को थामने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर की बिकवाली की। आरबीआई के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब डॉलर रही। यह पिछले

महीने की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि रिजर्व बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। रिजर्व बैंक का घोषित रुख यह है कि वह रुपया-डॉलर विनिमय दर के लिए किसी स्तर या बैंड को लक्ष्य नहीं करता है, बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता होती है। अगस्त में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई। सितंबर में भी बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के कम होने के बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट आई।

जम्मू-कश्मीर में प्राकृतिक आपदा का कहर! बिजली परियोजनाओं पर भारी पड़ी बाढ़, काम 5 माह धीमा

जम्मू और कश्मीर बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमिताव चटर्जी ने सोमवार को कहा कि कुछ महीने पहले भारी बारिश के कारण आई अचानक आई बाढ़ के कारण केंद्र शासित प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाओं के पूरा होने में तीन से पांच महीने की देरी हुई है। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी तक बैंक पर इसका कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ा है, लेकिन इन परियोजनाओं की लागत बढ़ने की संभावना है। पिछले कुछ महीनों में जम्मू और कश्मीर बादल फटने, अत्यधिक भारी बारिश और बड़े भूस्खलन जैसी कई प्राकृतिक आपदाओं से त्रस्त रहा है। जलविद्युत परियोजनाओं सहित राज्य में चल रही ज्यादातर बुनियादी ढांचा परियोजनाएं तीन से पांच महीने की देरी से चल रही हैं। चटर्जी ने कहा, मैंने इन कंपनियों से बात की है, और वे बढ़ी हुई लागत को खुद वित्तपोषित कर सकती हैं। जम्मू और कश्मीर में लगभग 3,100 मेगावाट की कुल उत्पादन क्षमता वाली पांच प्रमुख बिजली परियोजनाएं इस समय निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इन परियोजनाओं में रतले (850 मेगावाट), पाकल दुल (1,000 मेगावाट), किरू (624 मेगावाट), क्वार (540 मेगावाट) और परनई (38 मेगावाट) शामिल हैं। यह पूछने पर कि क्या बैंक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से उधारी में कोई वृद्धि देखी है, चटर्जी ने कहा कि ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य की अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर आ जाएगी।

सीरीज में वापसी करने उतरेगा भारत, कुलदीप को मिलेगी जगह या एकादश में नहीं होगा बदलाव?

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को एडिलेड में तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम फिलहाल सीरीज में 0-1 से पिछड़ी हुई है और उसकी नजरें वापसी करने पर टिकी होंगी। भारत का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे में रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन टीम अपनी पिछली गलतियों में सुधार कर ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में खेले गए पिछले मैच में बारिश का साया था और मैच 26-26 का कराया जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह है कि एडिलेड में बारिश की संभावना कम है। वहीं, एक बार फिर से सभी की निगाहें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके सीरीज बराबर करने में अपना योगदान देना चाहेंगे। ये दोनों खिलाड़ी पहले मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके थे।

पर्थ में प्रभावित नहीं कर सके थे भारतीय गेंदबाज

पर्थ वनडे में भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाए थे लेकिन मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल जैसे गेंदबाजों को केवल 131 रन के लक्ष्य का बचाव करना था जो आसान काम नहीं था। एडिलेड ओवल में भी चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। उम्मीद की जा रही है कि पर्थ की तुलना में एडिलेड में बल्लेबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।

प्लेइंग-11 में बदलाव की कितनी संभावना?

इस बात की पूरी संभावना है कि भारत दूसरे मैच में भी उसी 11 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा जो पहले मैच में खेले थे। वाशिंगटन सुंदर की जगह कुलदीप यादव गेंदबाजी में अच्छे विकल्प होते लेकिन एडिलेड ओवल की बाउंड्री छोटी हैं और यहां कलाई का यह स्पिनर रन लुटा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर दोनों टीमों के बीच वनडे के आंकड़े

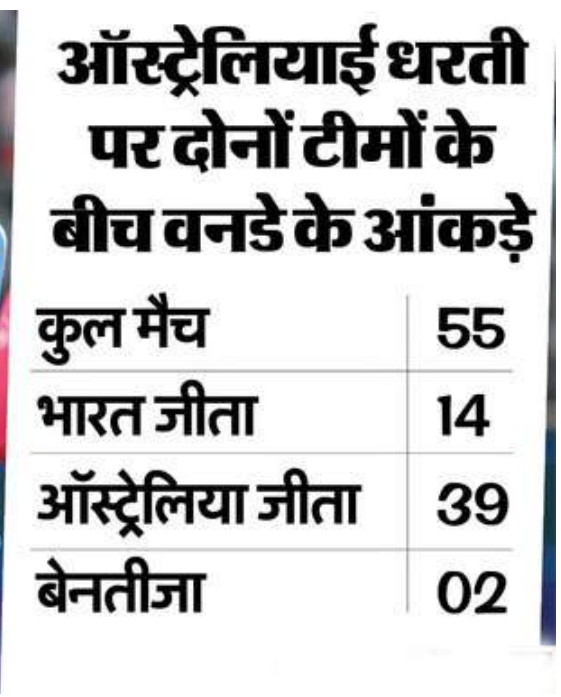

कुल मैच	55
भारत जीता	14
ऑस्ट्रेलिया जीता	39
बेनतीजा	02

अगर टीम एक अतिरिक्त स्पिनर को लेने का सोचेगी तो किसी तेज गेंदबाज की जगह कुलदीप को मौका मिल सकता है। हालांकि, इसकी संभावना बेहद कम है।

रोहित-कोहली ने जमकर किया अभ्यास

पिछले मैच में विफल रहे रोहित और कोहली ने दूसरे वनडे से पहले नेट्स पर जमकर अभ्यास किया। रोहित एडिलेड ओवल के अभ्यास मैदान में कम से कम 45 मिनट पहले पहुंच गए, जबकि कुछ अन्य सदस्य वैकल्पिक नेट सत्र के लिए उनके साथ शामिल हुए। रोहित ने जहां जमकर अभ्यास किया वहीं कोहली ने मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताने के बाद विश्राम किया।

ऑस्ट्रेलिया टीम में जांपा की वापसी

ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच के हीरो बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन को रिलीज कर दिया है और अनुभवी लेग-ब्रेक गेंदबाज एडम जांपा अपने बच्चे के जन्म के बाद वापस आ गए हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी हुई है। इस बात की संभावना अधिक है कि जांपा को दूसरे वनडे के लिए प्लेइंग-11 में शामिल होने का मौका मिलेगा।

दूसरे वनडे मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है...

भारतः रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलियाः ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिचेल ओवन, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, एडम जांपा, जोश हेजलवुड।

1 जगह 3 दावेदार टीमें... सेमीफाइनल के लिए आसान नहीं भारत की डगर, करना होगा ये काम

साउथ अफ्रीका के हाथों पाकिस्तान को हार झेलनी पड़ी जिस कारण अब पाकिस्तान अब महिला वर्ल्ड कप 2025 में अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाने वाली एकमात्र टीम बन गई है। वह बांग्लादेश के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। जबकि सेमीफाइनल के लिए अब बस एक सीट खाली है लेकिन दावेदार 3 हैं। अब टूर्नामेंट में 6 लीग मैच शेष रहते हुए अंतिम स्थान के लिए मुकाबला त्रिकोणयी हो गया है। भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका में से एक टीम सेमीफाइनल में जगह बना पाएगी। भारत ने अभी तक 5 मैच खेले हैं जिनमें से 2 जीते और 3 मैच हारे हैं। 2 जीत के साथ भारत के अंक 4 है। वहीं उसका नेट रन रेट 0.526 है। अगर भारत अपने बाकी दोनों मैच न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ जीत जाता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वह दोनों में से एक मैच जीतकर भी आगे बढ़ जाएगा। बशर्ते न्यूजीलैंड एक मैच हार जाए। न्यूजीलैंड को हराने पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। इसके बाद न्यूजीलैंड के इंग्लैंड को हराकर 6 अंक होने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। महिला वर्ल्ड कप 2025 की प्लेइंग कंडीशन के अनुसार अगर दो टीमों के अंक बराबर होते हैं तो लीग स्टेज में ज्यादा मैच जीतने वाली टीम तालिका में ऊपर होगी। अंक और जीत बराबर होने पर नेट रनरेट देखा जाएगा। नेट रनरेट भी बराबर रहा तो फिर दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबले का विजेता आगे बढ़ जाएगा। वहीं अगर न्यूजीलैंड अपने बाकी दोनों मैच भारत और इंग्लैंड के खिलाफ जीत जाता है तो उसके आठ अंक हो जाएंगे और वह सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगा। भारत के खिलाफ जीत और इंग्लैंड से हारने पर कीवी टीम को उम्मीद करनी होगी कि भारत को बांग्लादेश हरा दे। इसके अलावा उसका नेट रन रेट श्रीलंका से बेहतर होना चाहिए या उम्मीद करनी होगी कि पाकिस्तान अपना आखिरी लीग मैच जीत पाए। पाकिस्तान को केवल श्रीलंका से भिड़ना है। जबकि श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी ग्रुप मैच में पाकिस्तान को हराना होगा। इसके बाद उम्मीद करनी होगी कि भारत न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से हार जाए।

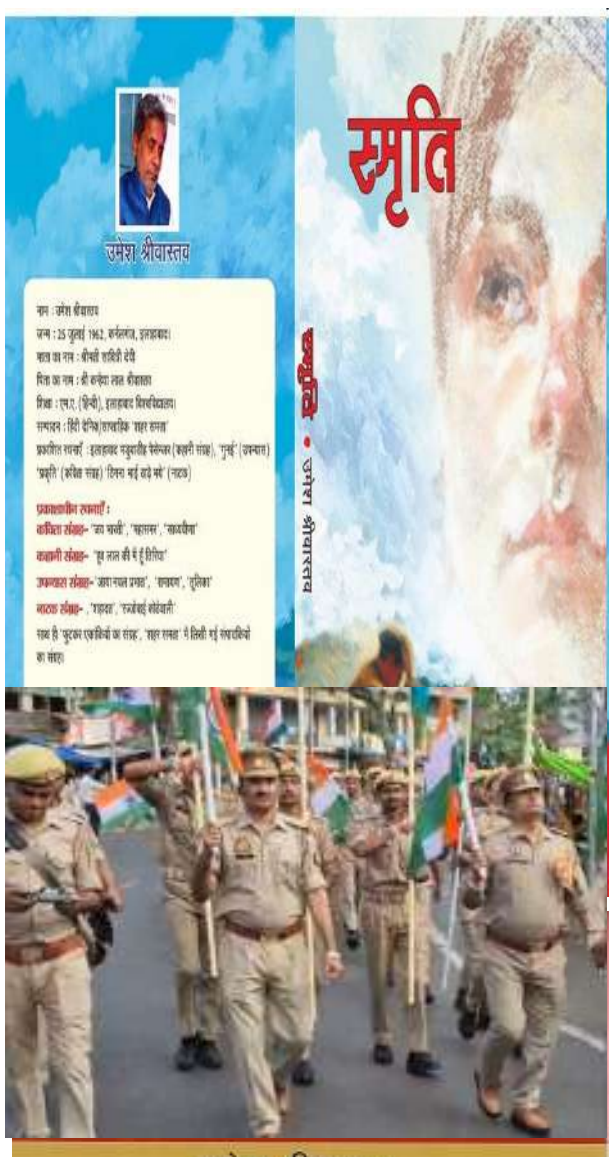

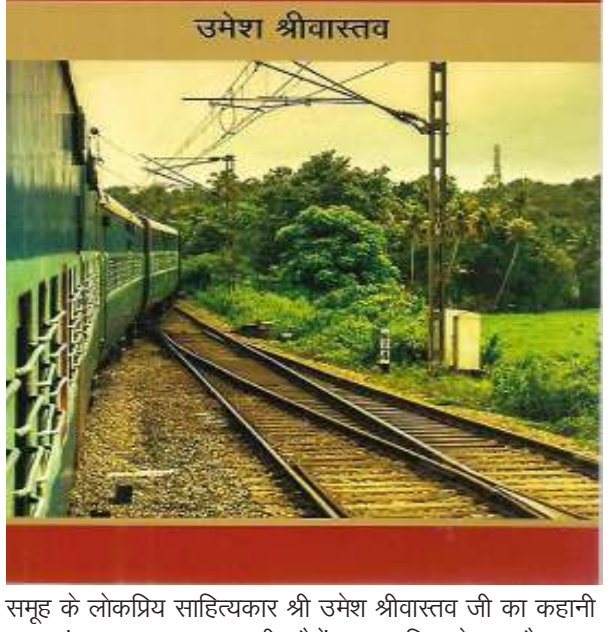

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

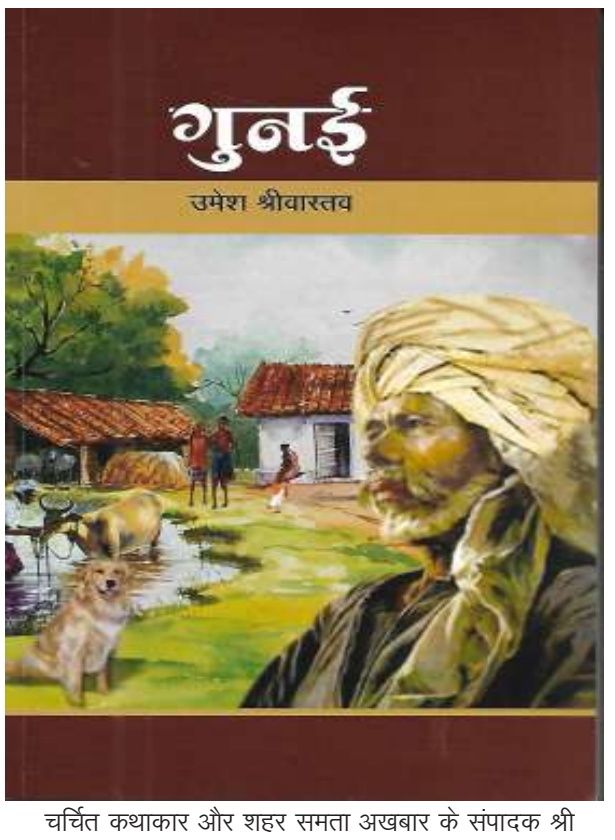

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

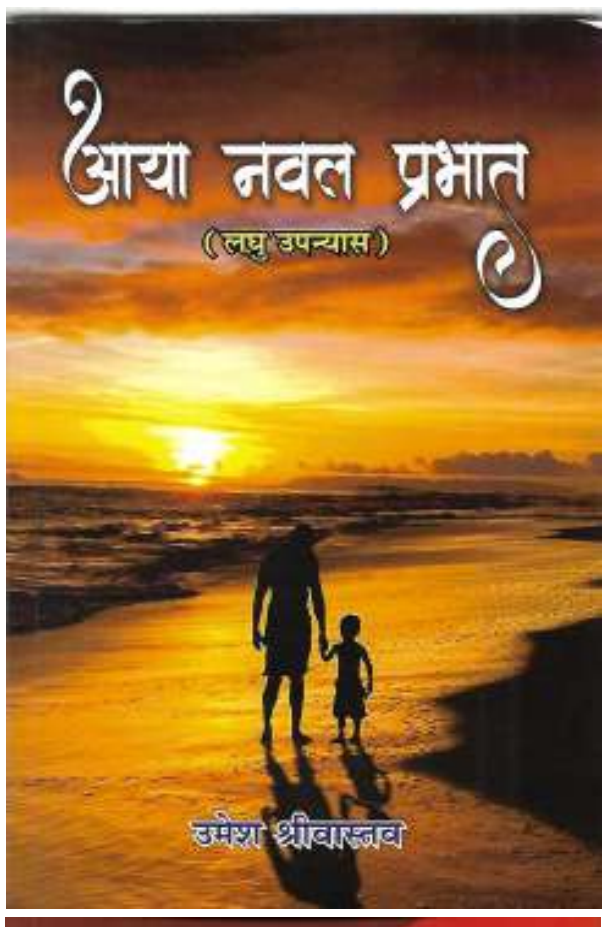

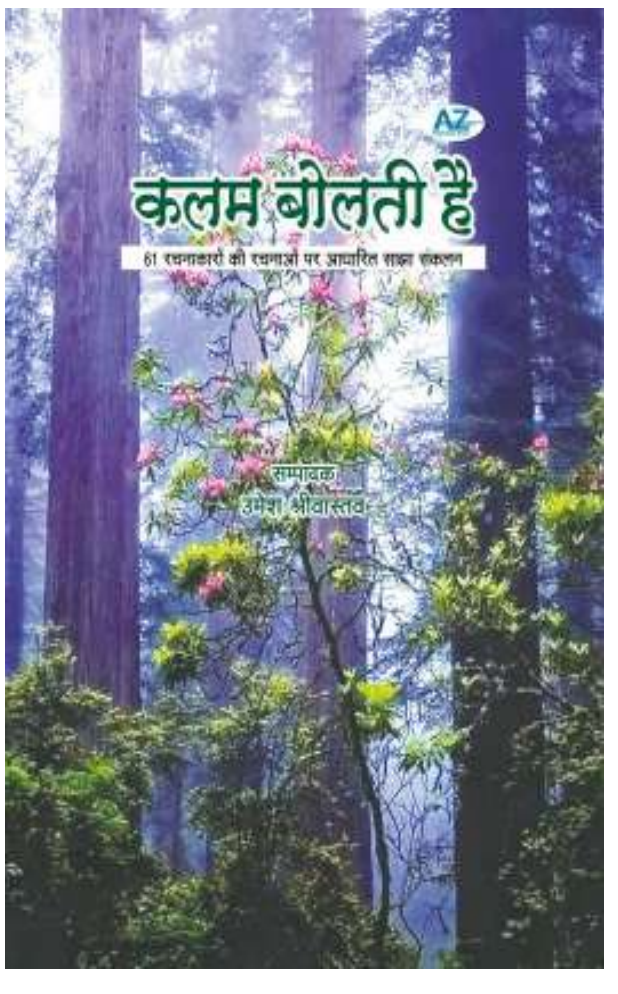

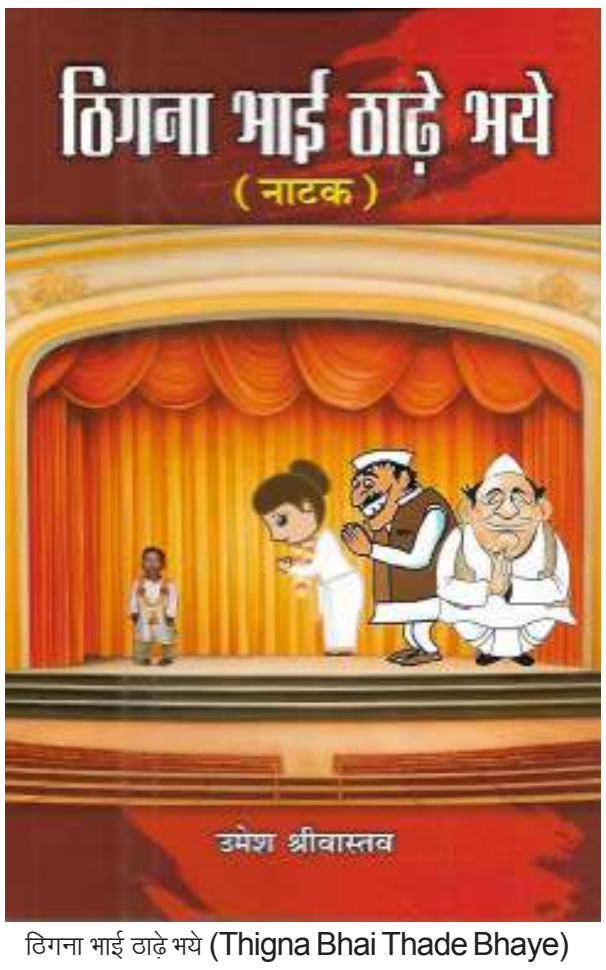

ताइवान में अफ्रीकन स्वाइन फीवर ने दी दस्तक, सरकार ने सूअर मारने पर लगाई रोक; देशभर में अलर्ट जारी

ताइपेई। ताइवान में पहली बार अफ्रीकन स्वाइन फीवर के मामले सामने आए हैं, जिसके बाद सरकार ने आपात कदम उठाते हुए प्रभावित फार्म के कम से कम 195 सूअरों को मार दिया है। संक्रमण को रोकने के लिए पूरे द्वीप पर सूअरों की आवाजाही और वध पर पांच दिन का प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह बीमारी सूअरों के लिए लगभग हमेशा घातक होती है, लेकिन इंसानों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। कृषि मंत्रालय के मुताबिक, ताइचुंग के एक तटीय फार्म में कुछ सूअरों की मौत के बाद उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें मंगलवार को अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि हुई। इसके बाद पशु संरक्षण और क्वारंटीन

अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फार्म के 195 सूअरों को एहतियातन मार दिया और पूरे परिसर की सफाई व कीटाणुशोधन कराया। फार्म के चारों ओर तीन किलोमीटर के दायरे में नियंत्रण क्षेत्र भी बना दिया गया है।

द्वीप पर आवाजाही और वध पर रोक

कृषि मंत्रालय ने बुधवार दोपहर से पूरे ताइवान में सूअरों की आवाजाही और वध पर पांच दिन का प्रतिबंध लगा दिया। कृषि मंत्री चेन जुन्ने–जिह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वायरस के स्ट्रेन को अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही इस मामले की सूचना विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वायरस अलग करने में दो सप्ताह लगते हैं, लेकिन हम इंतजार नहीं कर सकते। हमें तुरंत सख्त कदम उठाने होंगे ताकि बीमारी फैलने से रोकी जा सके।

विदेशी मांस से फैला संक्रमण का शक

यह ताइवान में अफ्रीकन स्वाइन फीवर का पहला मामला है। सरकार ने चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार का मांस या मांस उत्पाद बिना निरीक्षण और क्वारंटीन के लाना सख्त वर्जित है। नियम तोड़ने पर 10 लाख ताइवान डॉलर (करीब 32,500 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मंत्री चेन ने बताया कि "सबसे संभावित कारण ताइवान के बाहर से मांस उत्पादों की अवैध तस्करी है, जो बाद में खाद्य अपशिष्ट के जरिए सूअर फार्मों तक पहुंच जाते हैं।

एशिया के अन्य देशों में भी रहा असर

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में चीन और वियतनाम में इस वायरस के फैलने से लाखों सूअरों को मारना पड़ा था। वर्तमान में दक्षिण कोरिया एशिया का एकमात्र देश है जहां अफ्रीकन स्वाइन फीवर का सक्रिय प्रकोप जारी है। वहीं, यूरोप के 12 देश अभी भी इस वायरस से जूझ रहे हैं। ताइवान सरकार ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध पशु मृत्यु की तत्काल सूचना देने की अपील की है।

संक्षिप्त

पुतिन का युद्धविराम से इनकार, ट्रंप ने 'व्यर्थ की बैठक' बताकर टाली मुलाकात

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बैठक की योजना स्थगित कर दी गई है क्योंकि वह नहीं चाहते कि यह ''समय की बर्बादी'' हो। यूक्रेन में युद्ध को सुलझाने की कोशिश कर रहे ट्रंप के प्रयासों में यह नया मोड़ है। ट्रंप और पुतिन के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में बैठक होने वाली थी, जिसे स्थगित करने का निर्णय सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। ट्रंप ने कहा, ''मैं एक व्यर्थ बैठक नहीं चाहता। मैं समय की बर्बादी नहीं चाहता। इसलिए देखते हैं, क्या होता है।'' लावरोव ने मंगलवार को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया कि रूस तत्काल युद्धविराम के विरोध में है। ट्रंप पूरे साल युद्ध के प्रमुख मुद्दों पर अपना रुख बदलते रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या युद्धविराम दीर्घकालिक शांति वार्ता से पहले होना चाहिए और क्या यूक्रेन लगभग चार वर्षों की लड़ाई के दौरान रूस द्वारा कब्जा की गई भूमि वापस पा सकता है। यूरोपीय नेता पुतिन पर युद्ध में बढ़त हासिल करने के लिए कूटनीति में समय लगाने का आरोप लगाते रहे हैं और अब पुतिन से मुलाकात में ट्रंप की हिचकिचाहट उनके लिए राहत की बात है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, फ्रांस के राष्ट्रपति और जर्मनी के चांसलर सहित कई नेताओं का कहना है कि वे रूसी सेना द्वारा कब्जाई गई यूक्रेनी भूमि को छोड़ने को लेकर यूक्रेन पर किसी भी तरह का दबाव बनाने के खिलाफ हैं, जिसके बारे में हाल में ट्रंप ने सुझाव दिया था। इन नेताओं की यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के वित्तपोषण में मदद के लिए अरबों डॉलर की जब्त रूसी संपत्ति का उपयोग करने के विचार की दिशा में आगे बढ़ने की भी योजना है, भले ही इस तरह के कदम की वैधता और परिणामों को लेकर कुछ आशंकाएं हों। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों के बीच इससे पहले अगस्त में अलास्का में बैठक हुई थी, लेकिन इस मुलाकात से युद्ध को समाप्त करने के ट्रंप के प्रयासों को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। यह युद्ध फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के साथ शुरू हुआ था। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ट्रंप और पुतिन को फिर से एक साथ लाने की जल्दी में नहीं दिख रहा था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि बैठक से पहले ''गंभीर तैयारी की जरूरत है''। ट्रंप ने सुझाव दिया कि बैठक के बारे में निर्णय आने वाले दिनों में किए जाएंगे।

नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की ने आम चुनावों पर चर्चा के लिए नेताओं से मुलाकात की

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पिछले महीने कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद पहली बार मंगलवार को प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और आम चुनावों की तैयारियों एवं सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि बालुवाटार स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई इस बैठक में भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा के कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। कार्की (73) उस समय पिछले महीने नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं जब भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर सरकार के खिलाफ

युवाओं के नेतृत्व में 'जेन जेड' आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को अपदस्थ कर दिया गया था। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कार्की ने सभी राजनीतिक दलों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग मांगा। नेताओं ने सरकार से चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का आग्रह किया। कार्की ने आश्वासन दिया कि अंतरिम सरकार कानून के अनुसार काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम 'जेन जेड' आंदोलन की भावना के विपरीत काम नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम उचित प्रक्रियाओं और कानून के दायरे में काम करेंगे। हम दिए गए जनादेश के अनुसार काम कर रहे हैं। चुनाव होंगे और भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच जारी है।'' नेपाल के शीर्ष निर्वाचन निकाय ने पहले ही प्रतिनिधि सभा के चुनाव की तारीख पांच मार्च, 2026 घोषित कर दी है।

हमास ने गाजा में 'रेड क्रॉस' को दो और बंधकों के अवशेष सौंपे : इजराइली सेना

हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं। इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी। हमास के साथ हुए युद्धविराम समझौते का क्रियान्वयन 10 अक्टूबर को शुरू होने के बाद से 13 बंधकों के अवशेष इजराइल को लौटाए गए हैं। दो और बंधकों के अवशेषों को इजराइल पहुंचाए जाने के बाद अब गाजा में बंधक बनाकर रखे गए 13 और लोगों के शवों को बरामद करके इजराइल को सौंपा जाना बाकी है। मंगलवार को इजराइल की यात्रा पर आए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने हमास के साथ हुए युद्धविराम समझौते के क्रियान्वयन को लेकर इजराइल की बढ़ती हताशा के बीच थोड़ा धैर्य रखने का आग्रह किया। वेंस ने कहा, ''इनमें से कुछ बंधकों के अवशेष हजारों टन मलबे के नीचे दबे हुए हैं। कुछ बंधकों के बारे में तो किसी को पता ही नहीं है कि वे कहां हैं।'' गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल प्रत्येक मृत बंधक के अवशेष के बदले 15 फलस्तीनियों के शव सौंप रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप और जापान की नई पीएम ताकाइची की पहली मुलाकात, एशिया में बदलेगी कूटनीति की दिशा ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार से तीन दिनों के लिए जापान की यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वह प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ पहली बार आमने–सामने बातचीत करेंगे। यह ट्रंप की लगभग छह वर्षों में पहली जापान यात्रा होगी। ताकाइची, जिन्होंने 4 अक्टूबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी, मंगलवार को शिगेरु इशिबा के बाद जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। बुधवार को एक नियमित प्रेस वार्ता के दौरान, मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने कहा कि ट्रंप के सम्राट नारुहितो से भी मिलने की उम्मीद है। किहारा ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा जापान–अमेरिका गठबंधन को और मजबूत करने का एक अत्यंत सार्थक अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि ताकाइची का

प्रशासन इस यात्रा का ईमानदारी से स्वागत करता है। ताकाइची को उनकी रूढ़िवादी नीतियों और आक्रामक सुरक्षा विचारों के लिए जाना जाता है, जो दिवंगत प्रधानमंत्री शिंजो आबे की याद दिलाते हैं, जिन्होंने 2017 में शुरू हुए अपने पहले अमेरिकी कार्यकाल के दौरान ट्रंप के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे थे। जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप ने आखिरी बार 2019 में ओसाका में जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान की यात्रा की थी। क्योदो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को संसद द्वारा ताकाइची को आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री चुने जाने के साथ, वह जापान की पहली महिला नेता बन गई हैं। इस आगामी यात्रा से अमेरिका–जापान संबंधों के और मजबूत होने की उम्मीद है। क्योदो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, ताकाइची ने निचले सदन में पहले दौर के मतदान में जीत हासिल करके दूसरे दौर की दौड़ से बच गए। उन्हें जापान की संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता योशीहिको नोडा के 149 वोटों के मुकाबले 237 वोट मिले। जापानी समाचार एजेंसी ने कहा कि 64 वर्षीय ताकाइची ने संसद के निचले सदन में डाले गए 465 वोटों में से 237 वोट हासिल कर जापान के प्रधानमंत्री बनने का गौरव हासिल किया। नए प्रधानमंत्री के सामने आने वाली चुनौतियों में सुस्त अर्थव्यवस्था और सत्तारूढ़ पार्टी को एकजुट करने का काम शामिल है, जो घोटालों और आंतरिक संघर्षों से हिल गई है। सोमवार को ताकाइची, जो एक नए राजनीतिक साझेदार की तलाश में थे, ने ओसाका के गवर्नर हिरोफुमी योशिमुरा के साथ एक औपचारिक समझौता किया, जो जेआईपी का नेतृत्व करते हैं, जिसे निप्पॉन इशिन नो काई के नाम से भी जाना जाता है।

इमरान खान से मिलने की जद्दोजहद, PTI की याचिकाओं पर हाईकोर्ट में अहम सुनवाई

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की एक बड़ी पीठ गुरुवार को आदियाला जेल में कैद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात के संबंध में पीटीआई नेताओं द्वारा दायर सभी 11 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी की एक याचिका भी शामिल है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पीठ का उद्देश्य खान के

मुलाकात के अधिकारों को लेकर चल रहे विवादों को सुलझाना है। आईएचसी रजिस्ट्रार कार्यालय ने इस्लामाबाद और पंजाब के महाधिवक्ता, पंजाब के अभियोजक जनरल, पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक और जेल महानिरीक्षक को नोटिस जारी किए हैं। महिला चिकित्सा अधिकारी और आदियाला जेल अधीक्षक को भी उसी तारीख के लिए तलब किया गया है। अदालत से इस्लामाबाद और पंजाब प्रशासन के बीच मुलाकात के मुद्दों और आदियाला जेल पर अधिकार क्षेत्र के विवाद दोनों को संबोधित करने की उम्मीद है। सोमवार को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर ने मुख्यमंत्री अफरीदी की जेल में खान से मिलने की अनुमति मांगने वाली याचिका पर रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा उठाई गई आपत्तियों को खारिज कर दिया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अली बुखारी पेश हुए, जबकि याचिका महाधिवक्ता शाह फैसल के माध्यम से दायर की गई थी। याचिका में प्रांतीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी और खान के बीच खैबर पख्तूनख्वा में शासन संबंधी मामलों और मंत्रिमंडल गठन पर चर्चा के लिए एक बैठक की अनुमति देने के लिए अदालती हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया था। रजिस्ट्रार कार्यालय ने पहले यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इसी तरह की याचिकाओं पर पहले ही निर्णय लिया जा चुका है और ऐसी मुलाकातों के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया मौजूद है। हालाँकि, अधिवक्ता बुखारी ने तर्क दिया कि ष्नए कानूनी आधारष मौजूद हैं, क्योंकि मंत्रिमंडल का गठन अभी तक नहीं हुआ है और प्रशासनिक कामकाज के लिए खान से परामर्श आवश्यक है। न्यायमूर्ति ताहिर ने दलीलें सुनने के बाद आपत्तियों को खारिज कर दिया और आंतरिक सचिव, पुलिस महानिरीक्षक और अदियाला जेल अधीक्षक को नोटिस जारी कर 23 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

गाजा में नहीं उतरेंगे अमेरिकी सैनिक, इस्राइल दौरे पर वेंस बोले- शांति बनाए रखना ही ट्रंप का मकसद

तेल अवीव। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस्राइल दौरे के दौरान दोहराया कि गाजा में अमेरिकी सैनिकों के बूट नहीं उतरेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सैन्य नेतृत्व दोनों का रुख साफ है। अमेरिका किसी भी हाल में गाजा में जमीनी कार्रवाई नहीं करेगा। वेंस इस्राइल में गाजा संघर्षविराम को स्थिर बनाए रखने के मिशन पर पहुंचे हैं। दक्षिण इस्राइल के किर्यात गात शहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वेंस ने कहा कि गाजा में अमेरिकी सैनिक नहीं भेजे जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया है, और हमारी सैन्य नेतृत्व ने भी यही दोहराया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका शांति प्रक्रिया में उपयोगी समन्वय जारी रखेगा। उनका कहना था कि ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य इस्राइल और फलस्तीन के बीच जारी संघर्षविराम को हर हाल में बनाए रखना है।

दौरे का मकसद और मुलाकातों का दौर

वेंस मंगलवार को इस्राइल पहुंचे और गाजा सीमा से जुड़े किर्यात गात कमांड सेंटर का दौरा किया, जहां अमेरिकी नेतृत्व वाली टीम संघर्षविराम की निगरानी कर रही है। उनके साथ द्वितीय महिला उषा वेंस भी मौजूद थीं। वहां उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। बुधवार को उनकी मुलाकात इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से होगी, जहां वे राष्ट्रपति ट्रंप का यह स्पष्ट संदेश देंगे कि अमेरिका किसी भी कीमत पर गाजा शांति समझौते को टूटने नहीं देगा।

ट्रंप का सख्त संदेश

वहीं, मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हम उम्मीद करते हैं कि हमास सही कदम उठाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो उसका अंत तेज, उग्र और निर्दय होगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर हमास संघर्षविराम तोड़ता है, तो मध्य पूर्व के सहयोगी देशों को तुरंत आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका हिंसा नहीं चाहता लेकिन अगर शांति भंग होती है तो जवाब कड़ा होगा।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और शांति प्रयास

ट्रंप ने इंडोनेशिया को क्षेत्रीय समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं इंडोनेशिया और उसके महान नेता का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मध्य पूर्व और अमेरिका दोनों की मदद की। इंडोनेशिया ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र की संभावित शांति सेना में 20,000 सैनिक भेजने की पेशकश की है।

ट्रंप के रुख पर अडिग अमेरिका: वेंस बोले- गाजा में नहीं होंगे अमेरिकी सैनिक, हमास को कड़ी चेतावनी

संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को फिर से पुष्टि की कि वाशिंगटन गाज़ा में ज़मीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक तैनात नहीं करेगा, और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार अपनाए गए रुख को दोहराया। वेंस ने दक्षिणी इज़राइल के किरयात गत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि गाज़ा में ज़मीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक नहीं होंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। हमारे सभी सैन्य नेतृत्व ने भी यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। फिलहाल अमेरिकी नेतृत्व वाली टीम गाज़ा युद्धविराम की निगरानी

कर रही है। वेंस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका शांति प्रक्रिया में ष्उपयोगी समन्वयष प्रदान करता रहेगा। उपराष्ट्रपति, ट्रम्प प्रशासन के भीतर इस चिंता के बीच युद्धविराम को बनाए रखने के चल रहे प्रयासों को मज़बूत करने के लिए इज़राइल पहुँचे कि इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समझौते पर पुनर्विचार कर सकते हैं, जिससे नए सिरे से शत्रुता का खतरा पैदा हो सकता है। अपने आगमन पर, वेंस ने किरयात गाट कमांड सेंटर का दौरा किया, युद्धविराम की निगरानी की और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ निजी चर्चा की। उनके साथ द्वितीय महिला उषा वेंस भी थीं और इज़राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी ने उनका स्वागत किया। वेंस की यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा बुधवार को नेतन्याहू के साथ उनकी बैठक है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश देना है कि वाशिंगटन गाजा शांति समझौते को टूटने से बचाने के लिए दृढ़ है। इस बीच, ट्रंप ने मध्य पूर्वी सहयोगियों से आग्रह किया कि अगर हमास युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो वे हस्तक्षेप करें, और चेतावनी दी कि ष्अगर ऐसा नहीं होता है, तो उनका अंत क्रूर होगा।ष ट्रुथ सोशल पर लिखते हुए, उन्होंने कहा, अभी भी उम्मीद है कि हमास वही करेगा जो सही है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हमास का अंत तेज़, उग्र और क्रूर होगा! अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए इंडोनेशिया की भी सराहना की और कहा, ष्मैं उन सभी देशों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने मदद के लिए फोन किया।

बांग्लादेशी न्यायाधिकरण अभियोजन ने सेवारत अधिकारियों के मुकदमे को लेकर सेना को चेतावनी दी

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की अभियोजन टीम ने मंगलवार को सेना को चेतावनी दी कि अगर बुधवार को उसके 15 सेवारत अधिकारियों को अदालत में पेश नहीं किया गया, तो उन्हें 'भगोड़ा' घोषित कर दिया जाएगा। आईसीटी–बीडी के अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने संवाददाताओं से कहा, ''अगर वे कल अदालत में पेश नहीं होते हैं, तो न्यायाधिकरण एक नयी तारीख तय करेगा और उनके खिलाफ समन के साथ नोटिस दो अखबारों में प्रकाशित किए जाएंगे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।